भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

जागरूक जनता

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

जयपुर, 3 मई - 9 मई, 2023

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ

वैशाख, पक्ष - शुक्ल, तिथि - त्रयोदशी, संवत 2080 पृष्ठ : 8 बुधवार वर्ष-9, अंक-10, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

लूट कहो या चोरी मालिकाना हक के लिए सीना जोरी!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

दुनिया साहूकारी से चलती है मगर इस संसार में चोर, उचक्के और लुटेरों की कोई कमी नहीं है। चोरी और लूट के बाद सीनाजोरी करके अपने आपको मालिक भी बताना शुरू कर देते हैं। कई तो मालिक ही बन बैठते हैं। चोरी तन, मन और धन तीनों तरह की होती है। आज हम इन तीनों से परे कुछ ऐसी चोरी की बात कर रहे हैं जो अभी तक बहुत से लोगों को समझ नहीं आ रही है कि ये सब उपलब्धियां हमारी हैं फिर भी हम श्रेय उन चोरों को दे रहे हैं जो यहां से चोरी करके ले गए और अपने नाम कर लिया। कुछ खोज हैं जो हमारे देश के ऋषि-मुनियों ने बहुत पहले ही करली थी, मगर बीते कुछ सौ वर्षों में आक्रांताओं ने उन विधियों को नष्ट-भ्रष्ट कर दिया और उनके अस्तित्व को मिटाने की कुचेष्टा की। भारतवर्ष के शिक्षा केन्द्रों को तबाह कर दिया गया। उन आततायियों से जो कुछ थोड़ा-बहुत बचा, उसे अंग्रेज़ों ने चुरा लिया या दादागिरी से ले गए। हमारे शास्त्रों में वर्णित खगोल विज्ञान, कालगणना, धातु कर्म, बीजगणित, शून्य, वास्तु कला एवं ज्योतिष शास्त्र आदि के सिद्धांतों को अपने नाम से प्रचारित कर दिया और संसार के लोग उन तमाम जानकारियों को पश्चिम देशों की ही उपलब्धि मानने लगा। और तो और हमारे देश के लोगों तक को इस बात का पता नहीं चलने दिया कि ये सब हमारी विरासत है और इस विरासत को अपने नाम कर लिया। हमारे मन्दिरों में गणेशजी को पूजते हैं और उनके मानव शरीर पर सिर हाथी का लगा हुआ है। इस संदर्भ को लेकरशास्त्रों में वर्णित है कि भगवान गणेश ने बाल्यावस्था में अपनी माता पार्वती ने स्नान करने जाते समय कहा था कि इस समय तुम किसी को भी अंदर नहीं आने देना। गणेशजी ने माता की आज्ञा पालन करते हुए भगवान शंकर जो कि माता पार्वती के पति थे, उनको भी अंदर नहीं जाने दिया। दोनों में युद्ध हुआ। क्रोध में भगवान शंकर ने गणेशजी का सिर काट कर छिन्न-भिन्न कर दिया। बाद में वस्तुस्थिति का पता चलने पर उनके धड़ पर हाथी का सिर लगा दिया। कहने का तात्पर्य ये है कि उस समय भी हमारी चिकित्सा पद्धति में शल्य क्रिया इतनी उन्नत थी, मगर इसे पश्चिमी देशों द्वारा आधुनिक चिकित्सा पद्धति की खोज बताया जा रहा है। रामायण में लक्ष्मणजी को शक्ति लगी उसका भी उपचार किया गया था। तो कहने का तात्पर्य ये है कि हमारी सनातन संस्कृति हर क्षेत्र में विकसित रही है और अब भी है। मगर मध्ययुग में इसे आततायियों ने नष्ट-भ्रष्ट किया। अब पुनः इसे अपनी खोई प्रतिष्ठा प्राप्त करने का समय आता जा रहा है। मगर अब वर्तमान समय में विरासत की लूट, चोरी और सीना जोरी सब सामने आती जा रही है। सनातन संस्कृति का पुनः उद्भव हो रहा है।

82 साल के शरद पवार ने NCP अध्यक्ष पद छोड़ा

पवार का अचानक इस्तीफा कांग्रेस और उद्धव गुट के लिए तगड़ा झटका, भाजपा की राह होगी आसान?

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के मुखिया शरद पवार ने मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया। पवार के इस फैसले को पार्टी कार्यकर्ता और बड़े नेता मानने को तैयार नहीं हैं। सभी एक सुर में वरिष्ठ नेता से इस्तीफा वापस लेने की अपील कर रहे हैं। बीते कुछ हफ़्तों से महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व शरद पवार के भतीजे अजित पवार को लेकर कई तरह की अटकलें लग रही है। ऐसे में शरद पवार का अचानक इस्तीफा देना विपक्षी एकता खासकर महाविकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। जबकि बीजेपी को इससे फायदा होने की संभावना जताई जा रही है।

बीजेपी के लिए खोली राह!

एनसीपी चीफ के पद से शरद पवार का इस्तीफा बीजेपी के लिए नई राह खोलेगा। महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारों में कयासों का बाजार गर्म है और कहा जा रहा है कि पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार बीजेपी के समर्थन से अपना मुख्यमंत्री बनने का सपना पूरा करेंगे। हाल के दिनों में अडानी और EVM मशीन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर पवार की टिप्पणी विपक्ष के रुख के विपरीत थी। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ कभी भी शिवसेना में फूट से जुड़े मामलो पर अपना फैसला सुना सकती है। इसके हिसाब से सभी राजनीतिक दल विभिन्न परिदृश्यों की उम्मीद से तैयारी कर रहे हैं। यदि शिंदे के साथ गए शिवसेना के 16 विधायक (बागी) को सुप्रीम कोर्ट अयोग्य करार देता है तो मौजूदा शिंदे-फडणवीस सरकार अल्पमत में आ सकती है। ऐसे में महाराष्ट्र सरकार को बचाने के लिए अजित पवार बीजेपी का साथ दे सकते है। शरद पवार के बाद पार्टी का नेतृत्व अजित पवार को मिलने की चर्चा है।

एमवीए का अस्तित्व खतरे में!

महाराष्ट्र में विपक्षी महाविकास अघाडी के घटकों की एकता पर एनसीपी प्रमुख शरद पवार की 24 अप्रैल को की गई टिप्पणी ने राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी थी। यह पूछे जाने पर कि क्या एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) की एमवीए 2024 का चुनाव साथ मिलकर लड़ेगी, पवार ने कहा था, "मिलकर काम करने की इच्छा है। लेकिन केवल इच्छा ही हमेशा पर्याप्त नहीं होती है। सीट आवंटन, और कोई मसला है या नहीं, इन सब पर अभी बात नहीं हुई है, तो मैं आपको कैसे बता सकता हूं।" पवार की इस टिप्पणी पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिरि या दी थी, जबकि उद्धव गुट ने बचाव किया था। दरअसल शरद पवार ने ही एनसीपी, कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव गुट) का महाविकास आघाड़ी (एमवीए) गठजोड़ बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

मानहानि केस : राहुल गांधी को राहत नहीं, गुजरात हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

जागरूक जनता @ नई दिल्ली। गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को मोदी सरनेम मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने 2019 के मामले में हुई सजा पर रोक लगाने की उनकी याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से मानहानि केस में दायर आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर मंगलवार (2 मई) को गुजरात हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। गुजरात हाई कोर्ट ने राहुल गांधी को अंतरिम राहत नहीं दी है। कोर्ट ने कहा कि मामले की अंतिम सुनवाई पूरी होने के बाद ही अंतिम फैसला देना उचित होगा। कोर्ट ने 2019 के मामले में हुई सजा पर रोक लगाने की उनकी याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस हेमंत प्रच्छक छुट्टी के बाद फैसला सुनाएंगे।

जागरूक खबरें

गुजरात सेंट्रल यूनिवर्सिटी के जनसम्पर्क अधिकारी बने सुनील

जागरूक जनता @ जयपुर। वरिष्ठ मीडिया कर्मी एवं शिक्षाविद सुनील कुमार शर्मा गुजरात सेंट्रल यूनिवर्सिटी में बतौर जनसम्पर्क अधिकारी (पीआरओ) चयनित हुए है। हाल ही में जनसम्पर्क अधिकारी पद पर चयनित हुए शर्मा ने अपना पदभार ग्रहण किया। राजधानी जयपुर के बस्सी कस्बे के निवासी शर्मा ने अपना पत्रकारिता करियर प्रिंट रिपोर्टिंग से शुरु किया था। वे राजस्थान के प्रमुख मीडिया घरानों का प्रदेश की सामाजिक समस्याओं के निराकरण के लिए पड़ने वाले प्रभावों और मीडिया की भूमिका पर अध्ययन भी कर रहे है।

चैलेंजर्स ट्रॉफी वॉलीबाल में विनर रहा मो. जकी

जागरूक जनता @ जयपुर। कहते हैं पूत के पग पालने में ही दिखने लगते हैं। ऐसा ही कुछ सीडलिंग पब्लिक स्कूल के दसवीं

के छात्र मो. जकी सिद्दीकी भी अपने दादा स्व. मुमताज शकेब (आकाशवाणी) के नक्शे कदम पर चलते हुए स्टेज नाटकों का हिस्सा बनकर उम्मीद पर खरा उतरने की कोशिश कर रहा है। स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद प्रतियोगिता का हिस्सा बना रहता है। हाल ही में स्कूल के स्टेज नाटक में घरेलू समस्याओं के निदान पर आधारित प्ले में कृष्ण के किरदार में सभी का मन मोह लिया था। जिसके लिए प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। दूसरी तरफ स्पोर्ट्स प्रतियोगिताओं में भी भाग लेता रहा है। हाल ही जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी में 3 दिवसीय चैलेंजर्स ट्रॉफी वॉलीबाल (बॉयज) में सीडलिंग पब्लिक स्कूल विनर रहा। विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र रूरम मैडल से नवाजा गया।

शिक्षकों का प्रदर्शन आज और दस को

जागरूक जनता @ जयपुर। तबादलों से रोक हटाने की मांग को लेकर तृतीय श्रेणी शिक्षक 3 मई को उपखंड मुख्यालयों और 10 को जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन करेंगे। राजस्थान शिक्षक एवं पंचायती राज कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष शेर सिंह चौहान ने बताया कि तृतीय श्रेणी शिक्षकों की तबादला नीति को लेकर कोई भी नीति व नियम निर्धारित नहीं हो सके। साल 2018 से तृतीय श्रेणी शिक्षकों के एक भी बार स्थानांतरण नहीं किए गए।

रक्तदान, जनकल्याण महोत्सव आज

जागरूक जनता @ जयपुर। आयोजन समिति राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन की ओर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जन्मदिवस पर 3 मई की सुबह 10 बजे से स्टेच्यू सर्कल स्थित बिड़ला सभागार में रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। इसके पोस्टर का विमोचन सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया। आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ. शशिकांत शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा किए गए कर्मचारी एवं जनकल्याण के कार्यों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इस अवसर पर राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह शेखावत, प्राइवेट नर्सिंग टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष मिथलेश टॉक, योगेश यादव सहित अन्य नर्सेज एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

रेलवे बोर्ड ने 4 ट्रेनों के संचालन को दी हरी झंडी

राजस्थान को मिलेगी 2 और वंदे भारत, रूट अभी तय नहीं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। रेलवे बोर्ड ने राजस्थान से 4 नई वंदे भारत ट्रेनों के संचालन को मंजूरी दे दी है। फिलहाल इनका रूट तय नहीं है, लेकिन चुनाव को देखते हुए इस साल के अंत तक राजस्थान में 2 नई वंदे भारत ट्रेन का संचालन किया जा सकता है। रेलवे ने पिछले दिनों राजस्थान की पहली वंदे भारत ट्रेन अजमेर से दिल्ली कैंट के बीच शुरू की थी। पिछले दिनों रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने लंबी दूरी के बीच स्लीपिंग कोच

वाली वंदे भारत के संचालन का निर्णय लिया है। रेलवे कोच प्रोडेक्शन यूनिट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ट्रेन को सोनीपत स्थित कोच फैक्ट्री में बनाया जाएगा। अजमेर-अहमदाबाद, जोधपुर-अहमदाबाद और जयपुर-इंदौर के बीच वंदे भारत ट्रेनों का संचालन किया जाना है, लेकिन अभी इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

उदयपुर से मुंबई-जयपुर का शेड्यूल वायरल

रेलवे बोर्ड ने उत्तर पश्चिम रेलवे के लिए 4 नई वंदे भारत ट्रेन स्वीकृत की है, लेकिन अभी रूट निर्धारित नहीं हुआ। हाल में उदयपुर से मुंबई (बांद्रा) और दुर्गापुरा (जयपुर) का शेड्यूल सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। रेलवे से इसकी पूछताछ की तो बताया कि रूट की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। हालांकि इसमें से उदयपुर-जयपुर के बीच ट्रेन का संचालन संभावित है। पहले भी वंदे भारत ट्रेन जयपुर-उदयपुर, जयपुर-जोधपुर और जयपुर-अहमदाबाद के बीच चलनी थी। जयपुर-जोधपुर रूट पर इलेक्ट्रिफिकेशन पूरा नहीं हैं। वहीं, जयपुर-अहमदाबाद की दूरी चेयरकार कोच में संभव नहीं है, इसलिए जयपुर से उदयपुर के बीच ही संभावना है कि अगली वंदे भारत ट्रेन का संचालन किया जाएगा। वहीं, अगर दिसंबर तक स्लीपिंग कोच वाली वंदे भारत ट्रैक पर आ जाती है तो ट्रेन उदयपुर से अहमदाबाद या मुंबई के लिए शुरू हो सकती है। क्योंकि अहमदाबाद के लिए नया रूट भी तैयार हो चुका है।

नि:शुल्क ईलाज से पहले मरीज को देना होता है पार्किंग का शुल्क

इलाज नि:शुल्क, पार्किंग का शुल्क

निजी स्थलों पर 4 घंटे के 100 रुपए तक वसूले जा रहे, 4 साल पूर्व पार्किंग फ्री का निर्णय तो ले लिया गया, अमल नहीं

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने चिरंजीवी योजना व राइट टू हेल्थ बिल लागू कर अस्पतालों में इलाज तो फ्री कर दिया, लेकिन अस्पतालों में पार्किंग पार्किंग के नाम पर मनमना शुल्क वसूला जा रहा है। कई निजी अस्पताल ऐसे हैं जिन्हें जमीन तो सरकारी दरों पर आवंटित है, फिर भी मनमाना पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। इसकी बड़ वजह है पार्किंग पॉलिसी न होना, जिसके कारण दरें तय नहीं हैं।

जागरूक जनता के रिपोर्टर्स ने इस समस्या को लेकर शहर के सबसे बड़े सरकारी और निजी अस्पतालों में पार्किंग स्थलों का जायजा लिया। कुछ ही निजी अस्पतालों ने वाहन पार्किंग फ्री की हुई है। जबकि, निगम ने 4 साल पहले एसएमएस, जयपुरिया अस्पताल सहित अन्य सरकारी अस्पतालों में आने वालों के लिए पार्किंग निःशुल्क की थी। फैसला नगर निगम लाइसेंस समिति की बैठक में हुआ था। इस समिति के तत्कालीन चेयरमैन लक्ष्मणदास मोरानी ने बताया कि अस्पतालों में दवा और इलाज फ्री उपलब्ध हो रहा है, तो पार्किंग के नाम पर वसूली करना गलत है। इसी को देखते हुए लाइसेंस समिति ने चार साल पहले पार्किंग फ्री करने का निर्णय लिया था।

जयपुरिया : ओवरटाइम का डबल चार्ज, टोकन खोने पर 100 रु. जुर्माना

मालवीय नगर स्थित सरकारी जयपुरिया अस्पताल में स्मार्ट पार्किंग के नाम पर मनमाना शुल्क वसूला जा रहा है, यहां रोजाना 1 हजार टू व्हीलर, करीब 200-300 कारें पार्क होती हैं। यहां टू व्हीलर के लिए 4 घंटे के 10 रुपए मिनीमम चार्ज हैं और ओवरटाइम होते ही डबल चार्ज वसूला रहा है, जबकि कार के 30 रुपए लिए जा रहे हैं। यहां पार्किंग ठेकेदार ने टोकन खोने पर 100 रुपए जुर्माना वसूलने का मनमर्नी से नियम बना रखा है।

इंदिरा रसोई में खाना तो 8 रुपए में मिल जाता है, पर पार्किंग शुल्क आज तक तय नहीं हो सका

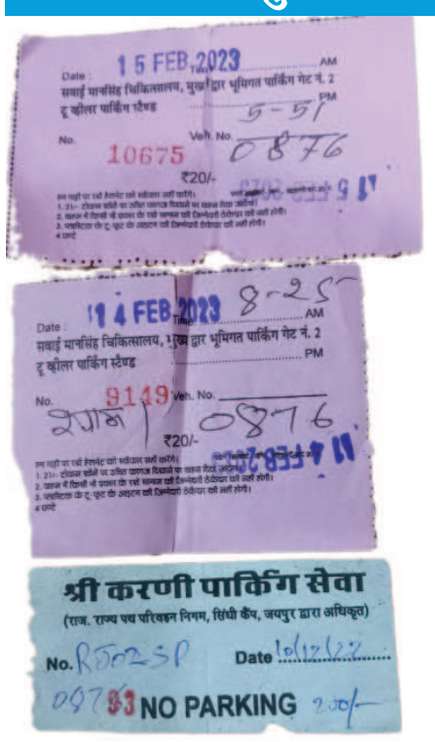

ईएचसीसी : जेडीए की जमीन पर पार्किंग, पर सुरक्षा की गारंटी नहीं

जवाहर सर्किल के पास स्थित ईएचसीसी अस्पताल में रोज सैकड़ों मरीज आते हैं, लेकिन यहां वीआईपी वाहनों को अंदर पार्किंग सुविधा दी जाती है। फ्री पार्किंग की व्यवस्था पास ही स्थित जेडीए की जमीन पर कर रखी है, लेकिन यहां खड़े वाहनों की सुरक्षा का जिम्मा नहीं है। अस्पताल के आसपास 4-5 प्राइवेट पार्किंग स्थल पनप गए हैं, जो टू-व्हीलर के 10 रु. व फोर व्हीलर के 30 रु. वसूलते हैं। पर्ची खोने पर 50 रुपए वसूले जाते हैं।

एसएमएस : पार्किंग में सफाई होती नहीं, अंधेरा पसरा रहता है

यहां रोज 5 हजार से अधिक वाहन आते हैं। पार्किंग बेसमेंट में है। टू-व्हीलर का न्यूनतम शुल्क 20 रु., कार

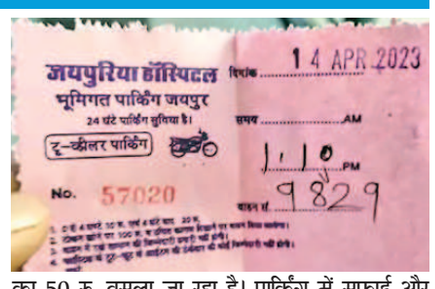

का 50 रु. वसूला जा रहा है। पार्किंग में सफाई और रोशनी दोनों नहीं हैं। वहीं जेके लोन में 10 घंटे तक के टू-व्हीलर को 10 रुपए व कार के 20 रुपए वसूले जा रहे हैं। जनाना हॉस्पिटल सांगानेर गेट में स्टाफ के लिए पार्किंग सुविधा है, मरीजों को रवीन्द्र मंच के पास खाली जमीन पर वाहन पार्क करने पड़ रहे हैं।

महात्मा गांधी : 4 घंटे बाद ओवरटाइम, निजी पार्किंग स्थल 10 से 20 रु. शुल्क

इस निजी अस्पताल में टू-व्हीलर, फोर व्हीलर के 20 से 100 रुपए वसूले जा रहे हैं। इनमें टू-व्हीलर के 4 घंटे के 20 रुपए, इसके बाद एक मिनट भी ऊपर होते ही 30 और 24 घंटे के 60 रुपए मनमर्जी के रेट कर रखी है। इसके अलावा कार पार्किंग के 30-100 रुपए लिए जा रहे हैं। वहीं, पास ही स्थित नारायणा मल्टीस्पेशिलियटी हॉस्पिटल में अंदर गाड़ी खड़ी करने के लिए चार्ज लिया जाता है, यदि मरीज पार्किंग शुल्क देने में असमर्थता जताता है तो अस्पताल के बाहर पार्क के लिए कहा जाता है, जहां वाहन सुरक्षा की कोई जिम्मेदारी नहीं है। यहां भी निजी भूखंडों पर बने पार्किंग स्थल 10 से 20 रु. वसूल रहे हैं।

फोर्टिस : 10 से 30 रुपए शुल्क की कम्प्यूटराइज स्लिप

यहां टू-व्हीलर का 10 रु. व फोर व्हीलर का 30 रु. शुल्क है। पार्किंग शुल्क की कम्प्यूटराइज स्लिप दी जाती है। लेकिन मरीजों के परिवारवालों के बैठने की यहां कोई व्यवस्था नहीं है। अधिकांश अस्पताल परिसर में धूप में बैठे रहते हैं।

कावंटिया : 10 से 20 रुपए 8 घंटे के

यहां टू व्हीलर पार्किंग के 10 से 20 रुपए 8 घंटे के निर्धारित है। यहां वाहन अस्पताल के मुख्य मार्ग पर खुले में ही पार्किंग करवाये जा रहे हैं। स्लीप गुम हो जाने पर अतिरिक्त शुल्क लिया जाता है।

लाइव दर्शन के साथ भक्त ऑनलाइन दान करेंगे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। देवस्थान विभाग के मंदिरों से प्रदेश -देशभर के श्रद्धालुओं को जोड़ने, स्थानीय स्तर पर भक्तों की आवाजाही बढ़ाने तथा अनुष्ठान करवाने के उद्देश्य से अब विभाग की ओर से प्रदेश के पांच प्रमुख मंदिरों को हाईटेक किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक इसके तहत राजधानी में आमेर की स्थापना के दौर के आमेर रोड स्थित मंदिर मावलियां में ऑनलाइन दर्शन की व्यवस्था शुरू होगी। साथ ही भक्त ऑनलाइन ही दान भी कर सकेंगे।

प्रदेश के अन्य मंदिर

डाढ़देवी देवी माता मंदिर कोटा, जोधपुर रातानाड़ा स्थित गणेश मंदिर, झील का बाड़ा (भरतपुर) स्थित कैलादेवी मंदिर, बरसाना स्थित कुशल बिहारी मंदिर में भी ऑनलाइन दर्शन की व्यवस्था लागू होगी।

नेटवर्क से जुड़ेंगे मंदिर

पांच लाख रु. की लागत से मंदिर में विकास कार्य होगा। यहां कैमरे लगाने के साथ ही नेटवर्क से जोड़ने के साथ ही अन्य संसाधन लगाए जाएंगे। विभाग की साइट व सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर लिंक प्रसारित होने से भक्त घर बैठे दर्शन कर सकेंगे। मंदिर के नाम के साथ ही ऑनलाइन लिंक जारी किए जाएंगे।

ऑनलाइन दर्शन के साथ ही भक्तों को मंदिर की खासियत व वहां होने वाले अनुष्ठानों की जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रदेश के अन्य मंदिरों में यह व्यवस्था लागू की जाएगी।
-प्रज्ञा केवलरामानी, आयुक्त, देवस्थान विभाग

पीटीईटी परीक्षा में शामिल होंगे 5 लाख 17 हजार से अधिक अभ्यर्थी, परीक्षा 21 मई

जागरूक जनता @ जयपुर। दो वर्षीय बीएड एवं चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीए-बीएड एव बीएससी/बीएड कोर्स में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली पीटीईटी परीक्षा-2023 में 5 लाख 17 हजार 558 अभ्यर्थी भाग्य आजमाएंगे। दो वर्षीय बीएड हेतु 3 लाख 40 हजार 194 एवं चार वर्षीय बीएड हेतु 1 लाख 77 हजार 364 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। जयपुर जिले से सर्वाधिक 67 हजार 527 एवं जैसलमेर जिले से सबसे कम 3 हजार 790 आवेदन प्राप्त हुए हैं। बांसवाड़ा स्थित गोविंद गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय द्वारा आगामी 21 मई, 2023 (रविवार) को प्रदेशभर में पीटीईटी परीक्षा-2023 का आयोजन किया जाएगा।

61 अधिकारी व पुलिसकर्मियों को दी जाएगी डीजीपी डिस्क

जागरूक जनता @ जयपुर। 61 पुलिस अधिकारी व कार्मिकों को डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया जाएगा। इसमें गत माह सेवानिवृत्त होने वाले डीजी सौरभ श्रीवास्तव भी शामिल हैं। डीजीपी उमेश मिश्रा ने बताया कि ए. पौनूचामी, महानिरीक्षक लता मनोज कुमार, आलोक कुमार वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक प्रीति जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समीर कुमार, चन्द्रेश कुमार, उपाधीक्षक रामानंद शर्मा, मनस्वी चौधरी, निरीक्षक कैलाश चंद शर्मा व त्रिभुवन कुमार वशिष्ठ सहित 61 पुलिसकर्मी सम्मानित होंगे।

INFORMATION

I am Shri Vishnu Singh Sisodia S/o Bhanu Pratap Singh Sisodia Add. 41, Yagdutt Nagar-I, Niwaru Road, Jhotwara, Jaipur (Rajasthan) born on 9 August 2014. By mistake my date of birth was mentioned as 9th August 2015 which is wrong. In future my date of birth should be considered as 9th August, 2014 only. My place of birth is district-Jaipur, my date of birth is 9th August, 2014 only.
Bhanu Pratap Singh Sisodia

गोविंद देवजी मंदिर में जल यात्रा उत्सव 5 से

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। गर्मी में भगवान को ठंडक प्रदान करने के लिए गोविंददेवजी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में शुक्रवार से जलयात्रा उत्सव की शुरुआत होगी। इस मौके पर गर्भ गृह में फव्वारा लगाया जाएगा। विशेष तिथियों और पर्वों पर चंदन, केवड़ा व गुलाब जल मिश्रित ठंडे जल की फुहारों से ठाकुरजी को शीतलता प्रदान की जाएगी। गोविंददेवजी मंदिर में एक घंटे के स्थान पर जल विहार की झांकी का समय घटाकर 15 मिनट कर दिया है। मंदिर प्रबंधन की इस पहल के जरिए ठाकुरजी भक्तों को पानी बचाने का संदेश भी देंगे। पहली जलयात्रा झांकी दोपहर 12.30 से 12.45 बजे तक होगी। इसमें ठाकुरजी को आम, तरबूज, जामुन, खस, गुलाब का शर्बत, लीची, फालसे सहित अन्य ऋतु फल अर्पित किए जाएंगे व ठाकुरजी को जलविहार कराया जाएगा। गोविंददेव जी मंदिर में रियासतकालीन चांदी का फव्वारा लगाया जाएगा। ठाकुरजी को दक्षिण भारत से मंगवाए खास चंदन का लेप किया जाएगा। चार जून तक ज्येष्ठाभिषेक तक अलग–अलग तिथियों में जलयात्रा करवाई जाएगी।

रद्द रहेगी भोपाल-जोधपुर ट्रेन

जागरूक जनता @ जयपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मण्डल पर भोपाल-बीना रेलखण्ड के मध्य स्थित निशातपुरा स्टेशन पर तकनीकी कार्य के कारण बुधवार को रेल यातायात प्रभावित रहेगा। जिससे यात्रियों को परेशानी होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार भोपाल- जोधपुर ट्रेन का संचालन प्रारंभिक स्टेशन से बुधवार को रदद् रहेगा।

ANCHOR गौरव ट्रेन

20 से गोवा घूमाएगा IRCTC, ज्योर्तिलिंग के होंगे दर्शन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम आगामी छुट्टियों तथा श्रद्धालुओं की अपार मांग को देखते हुए गोवा की सैर के साथ-साथ घृष्णेश्वर, त्रयम्बकेश्वर ज्योतिर्लिंग एवं शिरडी की यात्रा चलाने का फैसला किया है। इस यात्रा के लिए मात्र 35 हजार 150 रुपए ही देना होगा। इसमें कर्मचारी एलटीसी का भी प्रयोग कर सकते हैं। यह यात्रा 20 मई को भटिंडा से रवाना होकर वाया श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर, जयपुर, सवाई माधोपुर, सोगरिया कोटा से सवारियां लेती हुई जाएगी। इस यात्रा की अवधि 10 दिन की है जिसमें घृष्णेश्वर, त्रिम्बकेश्वर ज्योतिर्लिंग के साथ शिरडी तथा गोवा दर्शन का मौका मिलेगा।

पूर्णतया वातानुकूलित पर्यटक ट्रेन में ऐसी तृतीय श्रेणी के कोच होंगे। साथ ही आधुनिक किचन कार से यात्रियों को उनकी बर्थ पर ही शाकाहारी स्वादिष्ट भोजन परोसा जाएगा। ट्रेन में यात्रियों के मनोरंजन व यात्रा की जानकारी आदि प्रदान करने हेतु इन्फोटेन्मेंट सिस्टम भी लगाया गया है। स्वच्छ शौचालय के साथ ही सुरक्षा के लिए सुरक्षा गार्ड एवं सीसीटीवी कैमरे भी प्रत्येक कोच में उपलब्ध रहेंगे भारतगौरव पर्यटक ट्रेन भारत सरकार की पहल ''देखो अपना देश'' के तहत घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही है। इस टूर पैकेज की कीमत में यात्रियों को रेल यात्रा के अतिरिक्त स्वादिष्ट शाकाहारी भोजन, बसों द्वारा पर्यटक स्थलों का भ्रमण, होटलों में ठहरने की व्यवस्था, गाइड व इंश्योरेंस आदि कि सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार/पीएसयू के कर्मचारी इस यात्रा पर वित्त मंत्रालय,भारत सरकार के निर्देशों के आधार पर पात्रता के अनुसार एलटीसी सुविधा का लाभ भी उठा सकते हैं।

किश्तों में कर सकेंगे राशि भुगतान

आईआरसीटीसी चंडीगढ़ के पर्यटन प्रवक्ता शुभम् आर्य ने बताया कि इस टूर की बुकिंग प्रक्रिया को सुगम बनाने व ग्राहकों के लिए इसे और अधिक आकर्षक बनाने के लिए पेटीएम जैसी पेमेंट गेटवे संस्थाओं से करार किया है जिससे टूर की राशि का भुगतान आसान किश्तों में भी किया जा सके। भुगतान के लिए कुल राशि को 3, 6, 9, 12, 18 व 24 महीनों की किश्तों मे पूरा किया जा सकेगा। किश्तों मे भुगतान की यह सुविधा डेबिट व क्रेडिट कार्ड के माध्यम से बुकिंग करने पर उपलब्ध रहेगी।

ये रहेंगी सुविधाएं

नया एसी कोच
बसों की सुविधा
एसी होटल सुविधा
भोजन एवं खानपान सुविधा
गंतव्य तक परिवहन व्यवस्था
यात्री का यात्रा बीमा

यहां कराएं पंजीकरण

आईआरसीटी www.irctc-tourism.com पर पंजीकरण करा सकते हैं। इसके अलावा क्षेत्रीय कार्यालय 708, 7 वीं मंजिल क्रिस्टल मॉल, बनीपार्क, कलेक्ट्रेट सर्किल के पास जयपुर में भी बुकिंग करा सकते हैं। किसी भी जानकारी केलिए व्हाट्सएप्प नंबर 8595930998 और 9001094705 पर संपर्क कर सकते हैं।

अब कश्मीर-केरल जाने की नहीं ज़रुरत, तालकटोरा में मिलेगा 'शिकारा राइड' का लुत्फ़

नया टूरिस्ट स्पॉट बनाने की कवायद को मिली गति, बोटिंग के साथ होगी शिकारा राइडिंग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। तालकटोरा अब नया टूरिस्ट स्पॉट बनेगा। इसके लिए बोटिंग की तैयारी तेज कर दी गई है। खास बात यह है कि यहां शिकारा भी चलेगा। इससे तालकटोरा में कुछ समय बिताया भी जा सकेगा। यहीं पर्यटकों के लिए खाने-पीने की व्यवस्था भी होगी। पहली बार पर्यटकों को शिकारा की सुविधा भी मिलेगी। इसके लिए अभी तक कश्मीर-केरल व दक्षिण भारत के अन्य शहरों में जाना पड़ता है।

हालांकि, यहां और क्या-क्या सुविधा दी जा सकती है, इसका आइडिया लेने के लिए स्मार्ट सिटी कंपनी ईआईओ (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) जारी कर रही है। इस संबंध में स्वायत्त शासन विभाग के सचिव जोगाराम ने भी विस्तृत प्लान की जानकारी ली है। तालकटोरा के रिनोवेशन पर 12 करोड़ खर्च किए गए हैं।

कंपनियां बताएंगी मॉडल

ईआईओ के जरिए कंपनियां बोटिंग, रेस्टोरेंट व अन्य गतिविधियों के संचालन का मॉडल बताएंगी। मुख्य रूप से रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल होगा, जिससे इसे कम से कम 5 साल तक आसानी से चलाया जा सके।

प्रस्तावित किराया

पैडल बोट	- 25 व 40 रुपए
मोटर बोट	- 30 व 50 रुपए
डबल डेकर	- 200 रुपए तक
शिकारा	- 100 से 150 रुपए

(इसमें बच्चों व बड़ों की किराया राशि अलग-अलग है)

नालों के गेट किए बंद

तालकटोरा में अभी तक नाले खुले हुए थे, जिससे शहर के बड़े इलाके का गंदा पानी उसी में गिरता था। अब इन सभी नालों को बंद कर दिया गया है। जहां से इन नालों में पानी पहुंचता था, उन इलाकों के पानी की निकासी भी दूसरी जगह से की गई है। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत आरटीडीसी ने यहां जीर्णोद्धार का काम कराया है। तालकटोरा के चारों ओर बिल्डिंग व छतरियों को भी सुधारा गया है।

हर दिन 1 एमलडी साफ पानी

तालकटोरा में चौगान स्टेडियम में बने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से पानी पहुंचाया जाएगा। इसके लिए पाइपलाइन बिछा दी गई है। यहां एक एमएलडी क्षमता का प्लांट है, जिससे सीवर का पानी परिशोधित कर सप्लाई की जाएगी।

पार्किंग की होगी चुनौती

स्मार्ट सिटी कंपनी इसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन तो बना रही है, लेकिन चुनौती पार्किंग की होगी। यहां तालकटोरा के सामने पौण्ड्रिक उद्यान के बाहर पार्किंग की जगह है, लेकिन यहां कुछ ही दोपहिया-चौपहिया वाहन खड़े हो सकते हैं। अभी पौण्ड्रिक उद्यान आने वाले लोगों के लिए ही जगह कम पड़ रही है। ऐसे में तालकटोरा पहुंचने वालों की वाहन पार्किंग कहां होगी, इसका प्लान नदारद है। इसकी व्यवस्था नहीं होगी तो यह मॉडल फेल हो सकता है।

नगर निगम ग्रेटर : कॉमर्शियल प्रोपर्टी पर लगेगा 250 से 5 हजार रुपए तक का शुल्क

जयपुर में कचरा कलेक्शन के लिए लगेगा चार्ज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर में इस महीने के आखिरी या जून के पहले सप्ताह से लोगों को एक नया शुल्क देना पड़ सकता है। जयपुर नगर निगम ग्रेटर कचरा कलेक्शन के लिए यूजर चार्ज वसूलना शुरू कर सकता है। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली है और ये शुल्क ऑनलाइन ही वसूला जाएगा या क्यूआर कोड के जरिए वसूला जाएगा। हालांकि ये वसूली पूरे जयपुर में न होकर केवल कुछ चुनिंदा स्थानों पर और कॉमर्शियल प्रोपर्टी ऑनर से वसूली जाएगी। ऐसा अगर होता है तो जयपुर राजस्थान पहला शहर होगा जहां डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के बदले यूजर चार्ज वसूला जाएगा।

250 से लेकर 5 हजार तक चार्ज

स्वायत्त शासन विभाग की ओर से प्रदेश में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए अलग-अलग चार्ज निर्धारित किए है। नगरीय निकाय (नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका) अपने-अपने क्षेत्र में अपनी-अपनी सुविधा के हिसाब से ये शुल्क वसूलने के लिए अधिकृत है। कॉमर्शियल प्रोपर्टी संचालकों से ये शुल्क 250 से लेकर 5 हजार रुपए तक वसूला जाएगा।

इन एरिया में होगी वसूली

जयपुर नगर निगम ग्रेटर एरिया में ये वसूली फिलहाल मालवीय नगर व मुरलीपुरा जोन एरिया में संचालित कॉमर्शियल प्रोपर्टी से होगी। इन दोनों जोन एरिया में कुल 58,398 प्रोपर्टी ऑनर्स से वसूल की जाएगी। क्योंकि इन दो जोन एरिया में ही अभी आरएफआईडी कार्ड लगाए गए है। इन कार्ड के जरिए रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है कि कचरा उठाने के लिए आज गाड़ी पहुंची है या नहीं।

नगर निगम कमिश्नर महेन्द्र सोनी की माने तो चार्ज वसूली का काम संबंधित कचरा उठाने वाली फर्म का व्यक्ति ही करेगा। इसके लिए उसे एक ऑनलाइन पेमेंट एप वाली मशीन दी जाएगी। इस मशीन पर बने क्यूआर कोड को स्कैन करके व्यक्ति अपना यूजर चार्ज दे सकता है। इसके अलावा हम एक पोर्टल और एप भी बना रहे है, जहां व्यक्ति अपने आरएफआईडी (रेडियो फ्रिक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन) कार्ड के नंबर के जरिए ऑनलाइन भुगतान भी कर सकता है।

इन प्रोपर्टी से इतना वसूला जाएगा चार्ज

प्रोपर्टी	शुल्क (रुपए में)
दुकान (सामान्य दुकान, ढाबा, मिष्ठान भंडार या कॉफी हाउस)	250
गेस्ट हाउस	750
रेस्टोरेंट	750
होटल रेस्टोरेंट	1000
होटल रेस्टोरेंट (3 सितारा तक)	1500
होटल रेस्टोरेंट (3 सितारा से बड़े)	3000
ऑफिस (बैंक, बीमा, प्राइवेट,कोचिंग,शैक्षणिक संस्थान)	700
प्राइवेट स्कूल	1000
प्राइवेट कोचिंग	5000
क्लीनिक	1000
क्लीनिक (50 बैड तक) या लैब	2000
क्लीनिक (50 बैड से अधिक) या लैब	4000
गोदाम, कोल्ड स्टोर	1500
मैरिज गार्डन (3 हजार वर्गमीटर तक)	2000
मैरिज गार्डन (3 हजार वर्गमीटर से बड़े)	5000

आरजीएचएस : वित्त विभाग ने जारी किया आदेश

अधिकृत अस्पतालों में जुड़ सकेंगी 6 और स्पेशियलिटी

जागरूक जनता @ जयपुर। राज्य सरकार ने राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना में अधिकृत अस्पतालों में नई स्पेशियलिटी जोड़ने के लिए नीति में बदलाव किया है। इसमें पहले से 12 स्पेशियलिटी के लिए एम्पेनल्ड अस्पतालों में 6 और स्पेशियलिटी जोड़ने का प्रावधान कर दिया है, लेकिन इसके लिए निर्धारित बेड संख्या में आवश्यक होगी। वित्त विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार अस्पताल कार्डियक सर्जरी, कार्डियोलॉजी, डेंटिस्ट्री, ईएनटी, गेस्ट्रो, नेफ्रोलोजी, न्यूरोसर्जरी, ओंकोलोजी, ऑप्थेलॉजी, चेस्ट स्पेशियलिटी यूरोलोजी, ऑर्थोपेडिक के एम्पेनल्ड है, तो उसमें 6 और स्पेशियलिटी जैसे जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, ओबेस्टेट्रिक्स, प्रसूति रोग, न्यूरोलॉजी, बाल रोग व पीएमआर को जोड़ा जा सकेगा। बशर्ते ऐसे अस्पतालों में जयपुर के लिए 100 बैड वाले एम्पेनल्ड अस्पतालों का पांच करोड़ टर्नओवर और हर ब्रांच में दो स्पेशलिस्ट डॉक्टर हों और जयपुर से बाहर 50 बेड वाले एम्पेनल्ड अस्पताल में डेढ़ करोड़ रुपए टर्नओवर व हर ब्रांच में एक स्पेशलिस्ट डॉक्टर उपलब्ध हो।

जागरूक खबरें

रोडवेज में ओपीएस के आदेश जारी

जागरूक जनता @ जयपुर। राजस्थान रोडवेज में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के आदेश सोमवार को जारी किए गए। रोडवेज एमडी नथमल डिडेल ने बताया कि निगम में ऐसे कई सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं, जो अभी तक सीपीएफ योजना में हैं। उन्हें जीपीएफ यानी पुरानी पेंशन योजना में शामिल होने के लिए एक और अवसर दिया जा रहा है। वे 30 जून तक ओपीएस में शामिल होने के लिए विकल्प दे सकते हैं।

देश की प्राथमिकता के हिसाब से हो शिक्षा

जागरूक जनता @ जयपुर। नई शिक्षा नीति 2020 तथा अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों के संबंध में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था आयोग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अध्यक्ष न्यायाधिपति नरेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में मंगलवार की सुबह मदरसा बोर्ड भवन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में अल्पसंख्यक समाज के प्रतिनिधि भी आये जिन्होंने अपने- अपने समाज की समस्याओं से न्यायाधिपति को अवगत करवाया व नयी शिक्षा नीति के बारे में अपने सुझाव व्यक्त किए। इस दौरान न्यायाधिपति नरेन्द्र कुमार जैन ने कहा की नई शिक्षा नीति देश की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में धार्मिक शिक्षा के साथ बुनियादी शिक्षा भी ज़रूरी है, पढ़-लिखकर बच्चे देश की तरक्की में हिस्सेदार बनें इसका हमे निरंतर प्रयास जारी रखना चाहिए और यह हमारा कर्तव्य भी है। बैठक में उपस्तिथ राजस्थान मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष एम डी चौपदार ने कहा की नई शिक्षा नीति के अंतर्गत पाठ्यक्रम से हटाये जा रहे मुगलों के इतिहास के बारे में केंद्र सरकार को पुनर्विचार करना चाहिए।

नरेडको के सहयोग से हाउसिंग बोर्ड देगा प्रशिक्षण

20 हजार निर्माण श्रमिकों को मिलेगा ऑन साइट कौशल प्रशिक्षण

500 रुपए मिलेगा मानदेय

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के 20 हजार निर्माण श्रमिकों को ऑन साइट कौशल प्रशिक्षण मिलेगा। राजस्थान आवासन मंडल (हाउसिंग बोर्ड) की ओर से प्रदेश के निर्माण श्रमिकों को केंद्रीय एजेंसी नेशनल रियल एस्टेट डवलपमेंट काउंसिल (नरेडको) के सहयोग से यह प्रशिक्षण दिया जाएगा। 2 वर्षों में 'निपुण' (नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर प्रमोशन ऑफ अपस्किलिंग ऑफ निर्माण वर्कर्स) कार्यक्रम के तहत निर्माण श्रमिकों को यह प्रशिक्षण मिलेगा। इसके लिए दोनों संस्थाओं ने मंगलवार को एक एमओयू साइन किया। नरेडको के वाइस प्रेसिडेंट अशोक पाटनी ने बताया कि इस प्रशिक्षण के लिए काउंसिल ने राजस्थान आवासन मंडल को नोडल एजेंसी बनाया है। मंडल के सहयोग से पहले चरण में मंडल के अधीन प्रदेश भर में चल रही 150 से अधिक परियोजनाओं से जुड़े हजारों श्रमिकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद प्रदेश की अन्य संस्थाओं को जोड़ा जाएगा। डिप्टी डायरेक्टर नीलाभ गंगवार ने 'निपुण' के तहत दिए जा रहे अन्य फायदों को भी पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद निर्माण श्रमिकों को 3 साल के लिए 2 लाख रुपए का निःशुल्क दुर्घटना बीमा भी करवाया जाएगा। आवासन मंडल मुख्यालय में हुए इस खास एमओयू के दौरान नरेडको के वाइस प्रेसिडेंट अशोक पाटनी, डिप्टी डायरेक्टर नीलाभ गंगवार और आवासन मंडल आयुक्त पवन अरोड़ा, सचिव अल्पा चौधरी, वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

निर्माण कार्य नहीं होगा बाधित

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि नवाचारों की कड़ी में आवासन मंडल ने ऐसी संस्था बन जाएगा जो सरकारी, गैर सरकारी, देहाड़ी पर आने वाले, बिल्डरों के निर्माण श्रमिकों को नरेडको के सहयोग से प्रोफेशनल तरीके से प्रशिक्षित कराएगा। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण चल रहे काम के दौरान ऑन साइट ही दिया जाएगा, जिससे निर्माण कार्य भी बाधित नहीं होगा।

कुशल श्रेणी में आ जाएंगे श्रमिक

आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि प्रशिक्षण समाप्ति पर श्रमिकों को नरेडको की ओर से प्रमाण पत्र और 500 रुपए की प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। इसमें मंडल पर कोई भी वित्तीय भार नहीं आएगा। इस प्रशिक्षण की सबसे बड़ी खास बात यह है कि प्रशिक्षण लेने के बाद श्रमिक अकुशल से कुशल की श्रेणी में आ सकेंगे, जिससे उनके मानदेय में भी बढ़ोतरी होगी।

प्रशिक्षण से यह होगा लाभ

- प्रशिक्षण में सफल उम्मीदवारों को सरकार द्वारा दिया जाएगा सर्टिफिकेट
- प्रशिक्षण के बाद निर्माण श्रमिकों के आत्मसम्मान में होगी बढ़ोतरी
- अकुशल से कुशल श्रेणी में आने से मिलने वाला पारिश्रमिक भी बढ़ेगा
- प्रशिक्षण के दौरान मिले सर्टिफिकेट को दिखाकर अन्य कार्यों में भी मिलेगी प्राथमिकता
- प्रशिक्षण समाप्ति पर श्रमिकों को नरेडको द्वारा प्रमाण पत्र एवं 500 रुपए की प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी
- प्रशिक्षण लेने वाले निर्माण श्रमिक निशुल्क दुर्घटना बीमा योजना से भी होंगे लाभान्वित।
- प्रशिक्षित श्रमिकों को नई स्किल सीखने के साथ नए उपकरणों और तकनीकों की भी मिलेगी जानकारी
- ऑनसाइट प्रशिक्षण से बिना काम रूके मिल सकेगा प्रशिक्षण
- व्यक्तिगत सुरक्षा की जानकारी से निर्माण कार्य के दौरान दुर्घटनाओं में हो सकेगी कमी।

ANCHOR | कोर्ट ने तलाक के आधार तय किए

सुलह की गुंजाइश नहीं, तो SC तलाक मंजूर करेगा

पति-पत्नी को नहीं करना होगा 6 महीने का इंतजार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने सोमवार को तलाक को लेकर अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा है कि अगर पति-पत्नी के रिश्ते टूट चुके हों और सुलह की गुंजाइश ही न बची हो, तो वह भारत के संविधान के आर्टिकल 142 के तहत बिना फैमिली कोर्ट भेजे तलाक को मंजूरी दे सकता है। इसके लिए 6 महीने का इंतजार अनिवार्य नहीं होगा।

कोर्ट ने कहा कि उसने वे फैक्टर्स तय किए हैं जिनके आधार पर शादी को सुलह की संभावना से परे माना जा सकेगा। इसके साथ ही कोर्ट यह भी सुनिश्चित करेगा कि पति-पत्नी के बीच बराबरी कैसे रहेगी। इसमें मेंटेनेंस, एलिमनी और बच्चों की कस्टडी शामिल है। यह फैसला जस्टिस एसके कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एएस ओका और जस्टिस जेके माहेश्वरी की संविधान पीठ ने सुनाया।

संविधान पीठ को ये मामला क्यों भेजा गया था

इस मुद्दे को एक संविधान पीठ को यह विचार करने के लिए भेजा गया था कि क्या हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13बी के तहत आपसी सहमति से तलाक की प्रतीक्षा अवधि (वेटिंग पीरियड) को माफ किया जा सकता है। हालांकि, खंडपीठ ने यह भी विचार करने का फैसला किया कि क्या शादी के सुलह की गुंजाइश ही ना बची हो तो विवाह को खत्म किया जा सकता है। संविधान पीठ के पास कब भेजा गया था यह मामला डिवीजन बेंच ने 29 जून 2016 को यह मामला पांच जजों की संविधान पीठ को रेफर किया था। पांच याचिकाओं पर लंबी सुनवाई के बाद बेंच ने 20 सितंबर 2022 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने कहा था कि सामाजिक परिवर्तन में 'थोड़ा समय' लगता है और कभी-कभी कानून लाना आसान होता है, लेकिन समाज को इसके साथ बदलने के लिए राजी करना मुश्किल होता है।

सितंबर 2022 में हुई थी मामले की सुनवाई, जजों के तर्क

- इंदिरा जयसिंह, कपिल सिब्बल, वी गिरी, दुष्यंत दवे और मीनाक्षी अरोड़ा जैसे सीनियर एडवोकेट्स को इस मामले में न्याय मित्र बनाया गया था।
- इंदिरा जयसिंह ने कहा था कि पूरी तरह खत्म हो चुके शादी के रिश्तों को संविधान के आर्टिकल 142 के तहत खत्म किया जाना चाहिए। दुष्यंत दवे ने इसके विरोध में तर्क दिया कि जब संसद ने ऐसे मामलों को तलाक का आधार नहीं माना है तो कोर्ट को इसकी अनुमति नहीं देनी चाहिए।
- वी गिरी ने कहा कि पूरी तरह टूट चुकी शादियों को क्रूरता का आधार माना जा सकता है। कोर्ट इसमें मानसिक क्रूरता को भी शामिल करता है। सिब्बल ने कहा कि मेंटेनेंस और कस्टडी तय करने की प्रक्रिया को तलाक की प्रक्रिया से इतर रखना चाहिए, ताकि महिला व पुरुष को आत्महत्या करने से बचाया जा सके। मीनाक्षी अरोड़ा ने कहा कि आर्टिकल 142 के तहत अपने विशेषाधिकार को लागू करते ही सुप्रीम कोर्ट संवैधानिक कानूनों के दायरे से बाहर आ जाता है। यह आर्टिकल न्याय, बराबरी और अच्छी नीयत वाले विचारों को साकार करता है।

सम्पादकीय

देश दुनिया तक कैसे पहुंची मन

भा|पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 100 एपिसोड पूरे हो गए। इस मौके को देश-दुनिया भर में सेलिब्रेट किया गया। यूएन में 100वें एपिसोड को लाइव सुना गया। दरअसल पीएम मोदी ने जो यह प्रयोग किया वह कई लिहाज से नया था। उन्होंने इसके जरिये सबसे निचली पांत में खड़े लोगों तक पहुंच बनाई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का सौवां एपिसोड पूरा होने के मौके को देश-दुनिया में जिस तरह से सेलिब्रेट किया गया, वह बताता है कि सही दिशा में और उपयुक्त ढंग से की गई छोटी पहल भी बड़ी लकीर खींच सकती है। रविवार को प्रसारित मन की बात के सौवें एपिसोड को न केवल संयुक्त राष्ट्र में लाइव सुना गया बल्कि विभिन्न देशों में भारतीयों ने इसे एक महत्वपूर्ण इवेंट का रूप देते हुए सुना। निश्चित रूप से भारत सरकार और सत्तारूढ़ बीजेपी ने भी अपनी तरफ से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि इस मौके की विशिष्टता सबकी नजरों में आ सके, लेकिन इसमें न तो कुछ गलत है और न ही अस्वाभाविक।

दो राय नहीं कि आम लोगों से अपने जुड़ाव को निरंतरता देने के मकसद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो के जरिए यह एक ऐसा प्रयोग किया, जो कई लिहाज से नया है। अपने देश में उनसे पहले तमाम प्रधानमंत्री रेडियो और टीवी के जरिए राष्ट्र को संबोधित करते रहे हैं, लेकिन वह खास मौकों पर और असामान्य स्थितियों में ही होता था। नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने इस नियमित कार्यक्रम के जरिए अपनी आवाज देशवासियों की सबसे निचली पांत में खड़े लोगों तक पहुंचाने और उनके जीवन में अपने लिए जगह बनाने का काम किया है।

आज के दौर में तमाम नेता सोशल मीडिया के जरिए लोगों से जुड़ने की कोशिश करते हैं, लेकिन उन प्रयासों में वैसा पर्सनल टच नहीं दिखता जो मोदी मन की बात कार्यक्रम को देने में सफल रहे। यही नहीं, जान-बूझकर मन की बात कार्यक्रम को पीएम मोदी ने राजनीति से दूर रखा है। चाहे चुनावी राजनीति की बात हो या विरोधियों की ओर से समय-समय पर लगने वाले आरोपों की, मोदी ने उनका जवाब देने के लिए कभी इस कार्यक्रम को मंच नहीं बनाया। इसमें आम तौर पर वे ऐसे विषय उठाते हैं, जिनका राजनीतिक उठापटक से कोई मतलब नहीं दिखता, लेकिन जो आम लोगों के जीवन से सीधे तौर पर जुड़ते हैं। मसलन परीक्षा के दौरान स्टूडेंट्स को होने वाले तनाव या खेती के तरीकों में आ रहे बदलाव जैसे मुद्दे। लेकिन, विरोधियों का कहना है कि ध्यान से देखें तो यह भी एक तरह की राजनीति ही है जिसे प्रधानमंत्री मोदी बड़ी कुशलता से स्थापित करते रहे हैं। इसीलिए विरोधी मन की बात कार्यक्रम को समय-समय पर निशाना बनाते आए हैं। उनका आरोप है कि मोदी इस कार्यक्रम के जरिए लोगों का ध्यान उस समय चल रहे विवादों से हटाने की कोशिश करते हैं। लेकिन अगर यह सच भी है तो इससे एक निर्वाचित सरकार के मुखिया के रूप में खुद को आम लोगों से कनेक्ट करने और उन्हें प्रभावित करने की पीएम मोदी की क्षमता ही रेखांकित होती है।

माता-पिता के प्यार भरे स्पर्श का कोई मुकाबला नहीं। जो बच्चे जन्म के तुरंत बाद मां के दिल के पास सोते हैं, वे बड़े होकर भावनात्मक रूप से बेहद मजबूत होते हैं। इसी तरह कहा जाता है कि बच्चों को कम से कम तीन साल की उम्र तक अपनी मां के पास सोना चाहिए। यह सच भी है।

नई बुनियाद बचपन की

क्षमा शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

ज्ञान की सीमा बच्चों और बड़ों के लिए अलग-अलग होती है। जो ठीक भी है। बच्चों को बड़ों का ज्ञान देकर हमें उनकी मासूमियत नहीं छीननी चाहिए। जो कुछ उम्र के जिस पड़ाव पर जानना चाहिए वह उसी पड़ाव पर पता चलना चाहिए, वह ठीक भी है। वरना ऐसी खबरें आती ही हैं कि बच्चे इन दिनों बड़ी संख्या में पोर्न देखते हैं। वे सबसे अधिक फेसबुक यूजर्स हैं। इनमें से कोई भी बात बच्चे के विकास में नकारात्मक भूमिका ही निभा सकती है।

बदलते समय, तकनीकी विस्तार, छोटे होते परिवार, माता-पिता की बढ़ती व्यस्तताएं, समाज के सिकुड़ते दायरे, पढ़ाई-लिखाई के बदलते स्वरूप आदि का प्रभाव बच्चों पर भी पड़ रहा है। बच्चों की मासूमियत छिन रही है। वे बहुत जल्दी बड़ों की दुनिया में दाखिल हो जा रहे या फिर उससे अलग हो जाते हैं। बच्चों में आ रहे कई बदलाव गंभीर चिंता भी पैदा करते हैं। पर बच्चों को लेकर जैसी नीतियां और व्यवस्थाएं होनी चाहिए, उनका भी अभाव है।

मध्यवर्ग के किसी बच्चे की दिनचर्या पर आपने कभी नजर डाली है। हर बच्चा सवेरे उठता होगा। जल्दी-जल्दी नहा कर, नाश्ता करके स्कूल की तरफ दौड़ता होगा। वहां पढ़ाई-लिखाई, खेल-कूद के बाद दोपहर को घर लौटता होगा। घर में हाथ-मुंह धोकर, कपड़े बदल कर खाना खाता होगा। होमवर्क निपटाता होगा। हो सकता है, थोड़ा-बहुत टीवी देखता हो या नेट सर्च करता हो। होम वर्क निपटाने के बाद वह ट्यूशन पढ़ने जाता होगा। शाम को कुछ समय बचा तो दोस्तों के साथ खेलता होगा वरना तो ट्यूशन या कोचिंग सेंटर में ही रात हो जाती होगी। इन बच्चों की इतनी व्यस्त दिनचर्या देख कर इन पर तरस आता है। यह ऐसा समय है जब बड़ों से लेकर बच्चे तक समय न होने की बात करते हैं। आखिर हमारा समय कहां गया। अगर बच्चे दुधमुंहेपन से ही इतने व्यस्त हो जाएंगे, तो बड़े होकर उनका क्या होगा।

जब कभी माता-पिता के पास समय होता है, तो वे इन्हें घुमाने, फिल्म दिखाने, किसी के जन्मदिन पर, किसी त्योहार-वार की खरीदारी, किसी रिश्तेदार के यहां उत्सव पर ले जाते हैं। मगर ज्यों ज्यों बच्चे बड़े होते हैं वे अपने दोस्तों के साथ रहना चाहते हैं। बड़ों और माता-पिता की संगत में बोर होते हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि घर वालों को बच्चों की इसी संगत पर विशेष ध्यान देना चाहिए। क्योंकि अपने आसपास के बच्चों को देखकर ही बच्चे बहुत-सी बातें सीखते हैं। एक प्रतियोगिता की भावना भी होती है। सबसे पहले तो यह प्रतियोगिता यहां से शुरू होती है कि जब तुम्हारे दोस्त या तुम्हारी कोई सहेली सौ में से सौ नंबर ला सकती है, तो तुम क्यों नहीं। माता-पिता घर वाले और अध्यापक इस तरह की तुलना अकसर करते हैं। उनका उद्देश्य बच्चे को और अच्छा बनने और पढ़ने-लिखने के लिए प्रेरित करने का होता है, मगर अगर आपसी प्रतियोगिता शुरू हो जाए तो वह वहीं नहीं रुकती, जहां माता-पिता चाहते हैं। इसीलिए कई बार माता-पिता की आशाओं पर खरा न उतरने पर बच्चे अपनी जान तक दे देते हैं। हाल ही में एक बच्ची ने सिर्फ इसलिए जान दे दी क्योंकि उसका भाई उसे टीवी का रिमोट नहीं दे रहा था। बच्चों पर अच्छा कर दिखाने, तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने का इतना दबाव होता है कि वे कई बार इस तनाव को नहीं झेल पाते। परीक्षा के दिनों में बच्चों का तनाव दूर करने के लिए हेल्पलाइनें होती हैं। तरह-तरह के विशेषज्ञ सलाह के लिए होते हैं, मगर तनाव दूर नहीं होता। यही कारण है कि सोचा जा रहा है कि बच्चों को खुशी देने के लिए हैप्पीनैस पाठ्यक्रम अलग से बनाए जाएं।

दिल्ली के स्कूलों में ऐसा पाठ्यक्रम शुरू भी किया गया है। मध्यप्रदेश में हैप्पीनैस मंत्रालय बनाया गया है। लोग ऐसी कक्षाएं चलाने के बारे में सोच रहे हैं, जहां बच्चों और बड़ों को खुश रहने के तरीके सिखाए जा सकें। ऐसा क्या हुआ कि पास में सब कुछ है, महंगी से महंगी उपभोक्ता वस्तुएं हैं, चीजें खरीदने के लिए खूब पैसे हैं, पर खुशी नहीं है। जिनके पास कोई सुविधा नहीं, जो गरीब बच्चे हैं, किताब-कॉपी खरीदने और स्कूलों में मास्टरों के लिए तरसते हैं, वे क्या करें।

पहले कहा जाता था कि खुशी हमेशा अपने अंदर से आती है, लेकिन अब इसे बाहर से ढूंढ़ना पड़ रहा है। घर खुशी पाने की जगह क्यों नहीं रहे। मित्रों के साथ खेलना-कूदना, गप्पें लड़ाना, यहां तक कि लड़ना-झगड़ना, बहस करना, घूमना बच्चों को खुशी क्यों नहीं दे रहा। जिन उपभोक्ता वस्तुओं के बारे में रात-दिन शोर मचा रहता है कि यह खरीदो, वह खरीदो, फिर देखो कि तुम्हारी झोली खुशियों से किस तरह भरती है, वे सब चीजें माता-पिता अपने बच्चों को उपलब्ध भी कराते हैं। बल्कि सोच यह रहती है कि बचपन में जो मुश्किलें, अभाव माता-पिता ने झेले वे उनके बच्चों को न झेलने पड़ें। बच्चों के हाथ में छुटपन से ही उनन्त तकनीक के उपकरण, जैसे कि मोबाइल टेबलेट पकड़ा दिए जाते हैं। अधिकतर माता-पिता बच्चों को इस तरह से व्यस्त करके सोचते हैं कि इससे वे बच्चों के तमाम तरीके के सवालों और जिज्ञासाओं से बचेंगे। पर वे यह भूल जाते हैं कि बच्चा शायद इन चीजों को पाकर खुश हो जाए, मगर माता-पिता से अपने मन की बात कहना, उसका समाधान पाना, यह विश्वास कि वह अपने माता-पिता को कोई भी बात, समस्या बता सकता है और उसका हल पा सकता है, यह विश्वास अगर बच्चे के मन में हो, यो यह न केवल उसका आत्मविश्वास बढ़ाता है, बल्कि बहुत-सी चुनौतियों से जूझने की क्षमता भी देता है। बच्चे की मानसिक ताकत के लिए जरूरी है कि वह अपने माता-पिता का विश्वास जीत सके और माता-पिता भी उसके विश्वास पात्र बन सकें। इसके लिए बच्चे को नहीं, माता-पिता को पहल करनी पड़ती है। उन्हीं को भरोसा दिलाना पड़ता है कि वे बच्चे के लिए हर समय मौजूद हैं।

सर्वेक्षण बताते हैं कि आज माता-पिता और बच्चे के बीच समय के अभाव के कारण भावनात्मक रिश्ते टूटते जा रहे हैं। तकनीक ने भी इसमें बड़ी भूमिका निभाई है। पिछले दिनों ब्लू वेल के चंगुल से एक बच्चे को बचाया गया था, तो उसने कहा था कि उसके माता-पिता के पास उसके लिए समय ही नहीं है। वे दिन भर दफ्तर में रहते हैं और लौट कर अपने-अपने मोबाइल या लैपटाप में व्यस्त हो जाते हैं। बहुत साल पहले मुंबई के एक प्रसिद्ध स्कूल के बारे में छपा था कि वहां जुड़वां भाई पढ़ते हैं। छुट्टियों में भी, बड़े-बड़े पदों पर काम करने वाले उनके माता-पिता उन दोनों को साथ नहीं ले जाना चाहते। वे कहते हैं कि दो बच्चों को एक साथ नहीं संभाल सकते। स्कूल का कहना था कि बहुत से माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चों को छुट्टियों के दौरान भी स्कूल में रखने की व्यवस्था की जानी चाहिए। मध्यवर्ग और उच्च मध्यवर्ग के बच्चों का यह डरावना सच है। तकनीक ने जहां बच्चों की राह आसान बनाने की कोशिश की है, वहीं वे भावनात्मक रूप से कमजोर होते गए हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

आपराधिक दायरा

नगेन्द्र वशिष्ठ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

यह कल्पना भी दहला देती है कि बारह-तेरह साल के बच्चे अब इस मानसिक अवस्था में जीने लगे हैं कि एक बेहद मामूली बात पर बेलगाम होकर उनमें से कोई अपने ही किसी सहपाठी की ही हत्या कर दे। दिल्ली के बदरपुर इलाके में स्थित एक स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र ने सिर्फ संयोगवश अपने दो सहपाठियों को सिगरेट पीते देख लिया और इसकी शिकायत कर देने की बात कह दी।

यह एक ऐसी बात है, जिसे आम सामाजिक जीवन में बिल्कुल सामान्य गतिविधि के तौर पर देखा और लिया जाता रहा है। लेकिन सिर्फ इतने भर के लिए सिगरेट पीने वाले दोनों छात्रों के भीतर ऐसी प्रतिक्रिया पैदा हुई कि वे पहले अपने सहपाठी को बहला-फुसला कर सुनसान जगह पर ले गए, वहां उसकी पत्थरों से मार कर हत्या कर दी और शव को एक नाले में फेंक दिया। इस अपराध की प्रकृति को देखा जाए तो एकबारगी यह पेशेवर अपराधियों की हरकत लगती है, जिसमें योजनाबद्ध तरीके से अपराध को अंजाम देने और बचने की कोशिश की जाती है। इस घटना में बेहद त्रासद और दुखद यह है कि दो ऐसे बच्चे हत्या के आरोपी हैं, जो अभी महज करीब बारह साल के हैं। जाहिर है, कानून की कसौटी पर इसमें बच्चों को नाबालिग आरोपी मान कर बरता जाएगा और उसी मुताबिक निर्धारित सजा भी तय होगी। लेकिन इस मामले को सिर्फ एक सामान्य अपराध मानने के बजाय इसकी जटिलताओं पर गौर करने की जरूरत है। समाज से लेकर सरकार को इस पर चिंतित होना चाहिए कि सार्वजनिक जीवन में कहां और क्या ऐसी चूक हो रही है कि जिस उम्र में बच्चों को सद्भाव का प्रतीक होना चाहिए, पढ़ाई में दिलचस्पी लेनी चाहिए, मामूली बातों पर थोडा झगड़ने के बाद फिर साथ मिल कर खेलना-कूदना और दोस्ती करना चाहिए, प्यार का संदेश बनना चाहिए, उस उम्र में सिगरेट जैसी लत का शिकार होने से आगे वे असंतुलित मनःस्थिति में चले जा रहे हैं।

सवाल है कि इतनी कम उम्र में बच्चों के भीतर ऐसी विकृति और आक्रामकता कहां से आ रही है, जो कई बार जघन्य अपराधों की हद तक चली जाती है। क्या यह शिक्षा और पालन-पोषण में जरूरी तकाजों का खयाल नहीं रखने का नतीजा है? या फिर यह ऐसे माहौल की देन है जो बिना शोर के हमारे आसपास बन रहा है और या तो हम उस पर ध्यान नहीं दे पाते या फिर उसे अपनी सुविधा के तौर पर देखते हैं?

दरअसल, पढ़ाई-लिखाई की निर्धारित दिनचर्या के अलावा बच्चों की जिंदगी में कैसी व्यस्तताएं बन रही हैं, उस पर नजर रखना अब न अभिभावकों को जरूरी लगता है, न एक समस्या बन रहे इस पहलू पर स्कूल में या कहीं भी बच्चों को प्रशिक्षित किए जाने की व्यवस्था है। इंटरनेट से लैस स्मार्टफोन सहित अपने सामने की तकनीकी दुनिया की तमाम गतिविधियां अब बच्चों की जिंदगी में देखने-सुनने और कई बार उसमें शामिल होने का हिस्सा बन रही हैं। मुश्किल यह है कि किशोर उम्र में जिन बातों से उपजे भ्रम को संवेदनशीलता के साथ दूर करके उन्हें जरूरी बातें बताने की जरूरत होती है, वे बातें बच्चे अब अलग तरह से सुनते और समझते हैं। नतीजतन, उनके भीतर मनोवैज्ञानिक स्तर पर जिस तरह का विभ्रम, ऊहापोह और उथल-पुथल मचता है, वह उनके सोचने-समझने के सलीके को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। बहुत मामूली बातों पर हुए झगड़े के बीच बेलगाम आक्रामकता में कई बार यह भी पता नहीं चल पाता कि वे जो करने जा रहे हैं, वह गंभीर अपराध है और इससे बाकी जिंदगी प्रभावित हो सकती है।

सरहद के सवाल कितने मुश्किल

दिलीप शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

चीन के साथ सीमा पर स्थिति लगातार तनावपूर्ण बनी हुई है। इस बीच नेवी चीफ ने हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर ध्यान दिलाया है। नेवी चीफ का कहना है कि चीन की आक्रामकता में कोई कमी नहीं आई है। उन्होंने कहा है कि युद्ध छिड़ने की आशंका भी बनी हुई है।

देश के नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने एक कार्यक्रम के दौरान हिंद महासागर क्षेत्र में चल रही चीनी गतिविधियों पर रोशनी डालते हुए जो कुछ बताया, उससे साफ है कि चीन की आक्रामकता में कोई कमी नहीं आई है। नेवी चीफ के मुताबिक, चीनी हरकतों के चलते उस समुद्र क्षेत्र में रोज ही किसी न किसी रूप में संघर्ष होता है। ऐसे में उनका यह आकलन ठीक ही है कि अभी भले बात छोटे-मोटे टकरावों तक सीमित हो, युद्ध छिड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। लिहाजा उसके लिए खुद को तैयार तो रखना ही होगा। हमारी सेनाएं अपने स्तर पर इसके लिए हमेशा तैयार रहती भी हैं।

जहां तक दोनों देशों के रिश्तों का सवाल है तो चीन के रुख का अंतर्विरोध ही संबंधों में सुधार की राह में सबसे बड़ा अड़ंगा बना हुआ है। वह बातें तो मीठी-मीठी करता है, लेकिन व्यवहार में आक्रामकता बनाए रखता है। अभी पिछले सप्ताह ही चीनी रक्षा मंत्री ली शांगफू शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (SCO) के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में शिरकत करने भारत आए थे। यह गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से किसी चीनी रक्षा मंत्री की पहली भारत यात्रा थी और इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ उनकी द्विपक्षीय बातचीत भी हुई।

सीमा पर बने हालात को नजरअंदाज करके रिश्तों को सुधारने का सुझाव नहीं स्वीकार किया जा सकता। लेकिन किसी भी तरह का गतिरोध बातचीत से ही टूटता है। इसीलिए भारत ने अपना पक्ष मजबूती से रखते हुए भी संवाद में कोई बाधा नहीं डाली।

कहने की जरूरत नहीं कि यह भी दोनों पक्षों के बीच तनाव में एक हद तक कमी आने और एक तरह की समझ बनने से ही संभव हुआ।

एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में राजनाथ सिंह ने चीन को खरी-खरी सुनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। चीन का जोर इस बात पर था कि सीमा पर जो मतभेद हैं, उन्हें एक तरफ करके रिश्तों को सुधारने पर ध्यान दिया जाए। लेकिन भारत ने स्पष्ट किया कि रिश्तों में सुधार की बात तब तक नहीं की जा सकती, जब तक सीमा पर गलवान भिड़ंत से पहले की स्थिति बहाल करते हुए तनाव समाप्त न कर लिया जाए। चीन ने जिस तरह से अब तक के तमाम समझौतों का उल्लंघन करते हुए सीमा पर एकतरफा ढंग से यथास्थिति बदलने का प्रयास किया, उससे उस विश्वास को चोट पहुंची जो आपसी रिश्ते का आधार था।

ऐसे में सीमा पर बने हालात को नजरअंदाज करके रिश्तों को सुधारने का सुझाव नहीं स्वीकार किया जा सकता। लेकिन किसी भी तरह का गतिरोध बातचीत से ही टूटता है। इसीलिए भारत ने अपना पक्ष मजबूती से रखते हुए भी संवाद में कोई बाधा नहीं डाली। SCO की बैठक के सिलसिले में अभी चीनी नेताओं का आना जारी रहेगा। जुलाई में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी आने वाले हैं। इस स्थिति का फायदा उठाते हुए बातचीत के जरिए सीमा विवाद की जटिलता कुछ कम की जा सके तो यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा।

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

विवेक और वैराग्य इन दोनों से न होता है वैराग्य एकाएक नहीं आता। विषयों की इच्छा थोड़ी-थोड़ी घटती जाएगी तब वैराग्य होगा। न लाभ करने के एधिकारी बहुत ही कम हैं। गीता में कहा है-हजारों मनुष्यों में कोई एक ईश्वर को जानने की इच्छा करता है और ऐसी इच्छा करने वाले हजारों में से कोई एक ही उन्हें जान पाता है। संसार की आसक्ति जितनी घटती जाएगी, न भी उतना ही बढ़ता जाएगा। प्रभु से प्रेम भी सबको नहीं होता। प्रेम सबके भीतर है किंतु उसे प्रभु की ओर मोड़ने की आवश्यकता है। इसके लिए साधु संग और गुरु चाहिए। सत्संग से ईश्वरी बातों पर श्रद्धा होती है। श्रद्धा के बाद निष्ठा है। निष्ठा के होने पर ईश्वर की बातों को छोड़कर और कुछ भी सुनने की इच्छा नहीं होती। इसके बाद है भक्ति और उसके बाद है शुद्धा यानि प्रेमा भक्ति। वही एक मात्र सार है और सब मिथ्या है। प्रेमाभक्ति के बाद होता है, भाव, महाभाव और वस्तु लाभ यानि ईश्वर दर्शन। जैसे गोपियों को हुआ था। संसारी जीवों का ान और भक्तों का ान अलग-अलग तरह का होता है। जैसे दीपक के उजाले में घर के भीतर की वस्तुएं ही दिखाई देती हैं, वैसे ही संसारी मनुष्यों का खाना-पीना, पहनना, घर गृहस्थी, संतारन, शरीर रक्षा तक ही सीमित होता है।

क्रमशः

ओपिनियन

नक्सलवाद में कमी पर जड़ से सफाया जरूरी

अमित बैजनाथ
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

केन्द्र और राज्य सरकारों का दावा है कि उनके कठोर रुख अपनाने के बाद नक्सलवाद की समस्या में लगातार कमी आ रही है। आंकड़े बताते हैं कि 2017 से लेकर आज तक नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या लगातार घटी है। अगर नक्सली हिंसा में कमी की बात करें तो 2008 में 223 जिले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन सरकार के प्रयासों से इनमें कमी आई और 2014 में यह संख्या 161 रह गई। वहीं 2017 में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या और घटकर 126 रह गई। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और बिहार को सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित राज्यों की श्रेणी में रखा गया है। पिछले कुछ सालों से नक्सली हमलों में हजारों लोगों की मौत हुई है। साल 1967 में शुरू हुई इस समस्या को जड़ से मिटाने में अब तक कोई भी सरकार पूरी तरह सफल नहीं हो पाई है। हालांकि सरकार का दावा है कि नक्सली हमलों में धीरे-धीरे कमी आ रही है और नक्सल प्रभावित इलाके लगातार सिमटते जा रहे हैं।

नक्सलवाद यानी कि नक्सलवादी विचारधारा एक आंदोलन से जुड़ी हुई है। 1960 के दशक में कम्युनिस्टों यानी साम्यवादी विचारों के समर्थकों ने इस आंदोलन का आरंभ किया था। इस आंदोलन की शुरुआत पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के गांव नक्सलबाड़ी से हुई थी, इसलिए यह नक्सलवादी आंदोलन के रूप में चर्चित हो गया। इसमें शामिल लोगों को नक्सली कहा जाता है। नक्सलवाद बंगाल के नक्सलबाड़ी में विकास के अभाव और गरीबी का नतीजा है। इस आंदोलन के समर्थक भुखमरी, गरीबी और बेरोजगारी से आजादी की मांग करते रहे हैं। आजादी के बाद भूमि सुधार की पहल हुई थी, लेकिन यह कामयाब नहीं रही। नक्सलबाड़ी किसानों पर जमींदारों का अत्याचार बढ़ता चला गया। इसके बाद किसान और जमींदारों के बीच जमीन विवाद पैदा हो गया। 1967 में कम्युनिस्टों ने सत्ता के खिलाफ सशस्त्र आंदोलन की शुरुआत की, जो आज तक जारी है।

इतिहासकारों का मानना है कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता चारू मजूमदार ने कानू सान्याल और जंगल संथाल के साथ मिलकर सत्ता के खिलाफ एक किसान विद्रोह कर दिया था। 60 के दशक के आखिर और 70 के दशक के शुरुआती दौर में नक्सलबाड़ी विद्रोह ने शहरी युवाओं और ग्रामीण लोगों दोनों के दिलों में आग लगा दी थी। देखते ही देखते यह आंदोलन बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में आम हो गया और धीरे-धीरे ओडिशा, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र तक फैल गया। आजाद भारत में पहली बार किसी आंदोलन ने गरीब और भूमिहीन किसानों की मांगों को मजबूती दी, जिसने तत्कालीन भारतीय राजनीति की तस्वीर बदल दी। एक गांव और एक पुलिस स्टेशन से शुरू हुआ यह आंदोलन 20 राज्यों के 230 जिलों के 2,000 पुलिस स्टेशन तक फैल चुका था, जिसमें अब कमी आ रही है। कृषि संबंधी मुद्दों को लेकर जो आंदोलन शुरू किया गया था, आज वह सत्ता पर कब्जा करने के विचार और विचारधारा के साथ गति पकड़ चुका है। नक्सलवाद का सैन्यीकरण और इसका हिंसक रूप धारण करना सर्वाधिक चिंता का विषय बनता जा रहा है। सुरक्षा बलों के लिए नक्सलवाद सबसे बड़ी चुनौती है। वे इस संघर्ष में लगातार अपनी जान गंवा रहे हैं। रिटायर्ड आईपीएस के. सत्यनारायण की किताब 'नक्सलवाद और समाज' कहती है कि नक्सलवाद सामान्य अपराध नहीं है, न ही यह केवल कानून और व्यवस्था की समस्या है। नक्सलवादियों का सामाजिक आधार कानून और व्यवस्था की समस्या से कहीं आगे जाकर इसकी कहानी कहता है। बेरोजगार गरीब युवाओं, वंचित आदिवासियों, शोषित ग्रामीण के अलावा कई शिक्षित युवा भी हैं, जो नक्सलवाद के रास्ते पर निकल पड़े हैं। शहरी इलाकों के कुछ बुद्धिजीवी भी नक्सली विचारधारा के प्रति सहानुभूति रखते हैं। यह किसी भी सूरत में ठीक नहीं कहा जा सकता।

हर बार नक्सलियों के हमले होते हैं और हर बार नेता से लेकर सुरक्षा बलों और आम आदमी तक की मौत होती है। इसके बावजूद हम समस्या का पूरी तरह से समाधान नहीं कर पाए हैं। सरकारों को इस बात को समझना होगा कि नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए कठोर फैसले लेने होंगे। सामाजिक प्रणाली में आई विकृतियों को दूर करना होगा, गरीबी उन्मूलन के लिए कदम उठाने होंगे और त्वरित विकास सुनिश्चित करना होगा। कानून और व्यवस्था को कड़ाई से लागू करना होगा। पुलिस बल को तकनीकी रूप से मजबूत बनाना होगा। केंद्र और राज्यों को मिलकर इस गंभीर समस्या का मुकाबला करना होगा। नक्सलवाद भयावह समस्या बन गई है, जिसके सफाए के लिए गंभीर कार्रवाई करनी होगी। भारत का अस्तित्व चुनौतियों का मुकाबला करने में पूरी तरह से सक्षम है, जिसे हमें मिलकर तय करना होगा।

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 03/05/2023

सूर्योदय : 05:42 **सूर्यास्त :** 18:58 **चन्द्रोदय :** 16:48 **चन्द्रास्त :** 04:12 **शक सम्वत :** 1945 सोभाकृतु **अमान्ता महीना :** वैशाख **पूर्णिमांत :** वैशाख **सूर्य राशि :** मेष **चन्द्र राशि :** कन्या **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** त्रयोदशी, 23:47 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1945 शोभकृत **विक्रम सम्वत :** 2080 नल **गुजराती सम्वत :** 2079 आनन्द **चन्द्रमास वैशाख :** पूर्णिमान्त **वैशाख :** अमान्त

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : हस्त, 20:48 तक
योग : हरषाना, 11:19 तक
प्रथम करण : कौवाला, 11:35 तक
द्वितिय करण : तैतिल, 23:47 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:13 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:35 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:31 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:56 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:57 पी एम से
अमृत काल	02:38 पी एम से
निशिता मुहूर्त	11:56 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	05:39 ए एम से

निवास और शूल
दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : दक्षिण
कुंभ चक्र: पश्चिम में

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 05:41 - 07:20	उद्वेग	: 06:57 - 08:17
अमृत	: 07:20 - 09:00	शुभ	: 08:17 - 09:38
काल काल वेला	: 09:00 - 10:39	अमृत	: 09:38 - 10:58
शुभ	: 10:39 - 12:19	चर	: 10:58 - 12:19
रोग वार वेला	: 12:19 - 01:59	रोग	: 12:19 - 01:39
उद्वेग	: 01:59 - 03:38	काल	: 01:39 - 02:59
चर	: 03:38 - 05:18	लाभ	: 02:59 - 04:20
लाभ	: 05:18 - 06:57	उद्वेग	: 04:20 - 05:40

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज त्रयोदशी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

वैशाख, शुक्ल, त्रयोदशी, 20780 बुधवार, 3 मई - 9 मई, 2023

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

वृषभ ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो

क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

मिथुन क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह

आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

कर्क हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते

संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृश्चिक तो,ना,नी, नू,या,यी,यू

नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे

नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

मकर भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,

परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

कुंभ गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा

नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

मीन दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि

आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

मरीजों को जिला स्तर तक मिलेगा जनरल सर्जरी व यूरोलॉजी का बेहतर इलाज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश भर के अस्पतालों के लिए अब ऐसे उपकरण खरीदे जाएंगे, जिनसे आमजन की सर्जरी और इलाज बेहतर हो सकेगा। अभी जहां शरीर के अंदरूनी भागों की सर्जरी में सूचरिंग की जाती है, वहीं अब सर्जिकल स्टेपलर खरीदे जाएंगे। जिनसे सर्जरी प्रोसेस जल्दी हो सकेगा। इसके अलावा डबल, ट्रिपल ल्यूमन, विभिन्न प्रकार के केथेटर, नवजात के लिए काम आने वाले उपकरण सहित 14 विभागों के लिए करीब 52 ऐसे उपकरण व दवाइयां खरीदी जाएंगी, जो मरीजों की जिंदगी बचाने और क्वालिटी ट्रीटमेंट को बेहतर करेंगे। इन सब पर सरकार करीब 200 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

पहली बार नवजातों के लिए नियोनेटल आईसीयू ट्यूब खरीदी जाएंगी

गेस्ट्रो सर्जरी, जनरल सर्जरी, यूरोलॉजी व ट्रॉमा सहित अन्य उन सभी विभागों के लिए सर्जिकल स्टेपलर खरीदे जाएंगे, जिनमें कई घंटे और टिपिकल सर्जरी होती हैं। गुदा कैंसर, लिवर और आंतों के इलाज सहित किडनी ट्रांसप्लांट में भी स्टेपलर काम आएंगे। जिला स्तर और कई शहरों के अस्पतालों में अब ये काम आ सकेंगे। जिन नवजात को सांस नहीं आती या फीड नहीं हो पाता, उनके लिए पहली बार नियोनेटल आईसीयू ट्यूब खरीद जाएंगी। बच्चे के इलाज में बेहद काम आती है। कार्डियो सर्जरी में ब्लड वेसल्स (रुधिर वाहिकाओं) में फंसे हुए पार्ट को निकालने के लिए काम आने वाले आधुनिक उपकरण खरीदे जाएंगे। केथेटर, गाइड वायर, शीट, डायग्यानोस्टिक कंज्यूमेबल्स फॉर कार्डियोलॉजी भी चिकित्सा विभाग खरीदेगा। कैंसर के इलाज में काम आने वाला वूंड प्रोटेक्टर यानि कि डबल रबर रिंग को सिक्योर करने वाली प्लास्टिक शीट पहली बार खरीदी जाएगी। दूरबीन सर्जरी में काम आने वाले सर्जिकल इंप्लांट जैसे कि मेश/जाली, टेकिंग डिवाइसेज भी खरीदी जाएंगी। ऐसे पेशेंट जिनके मलमूत्र को एकत्र करने के लिए बैग लगाए जाते हैं, उन्हें एकत्र करने के लिए कोलोस्टॉमी खरीदे जाएंगे। कैंसर या अन्य कारणों से आंत, गुदा निकाल देने वाले पेशेंट को 15 से 20 दिन में बैग बदलना पड़ता है। अभी एक बार फ्री के बाद लोगों को खरीदना पड़ता है, लेकिन अब जिला स्तर तक यह फ्री मिल सकेगा । इसी तरह ईएनटी में मेग्जीलरी प्लेटस, ऑथ्यो के लिए रिंटेशन रिंग, स्पेसिफिक लेंस व इंसुलिन खरीदे जाएंगे।

"**आमजन** को बेहतर इलाज मिले इसके लिए सरकार शुरू से प्रयासरत है। न केवल हर तरह से निशुल्क इलाज मिल रहा है, बल्कि क्वालिटी ऑफ ट्रीटमेंट पर भी फोकस है। मरीजों को विश्व स्तरीय इलाज मिले, इसके लिए जो भी संभव होगा किया जाएगा। रोबोट सर्जरी से लेकर अन्य सर्जरी व इलाज इसका उदाहरण हैं।"
-परसादी लाल मीणा, चिकित्सा मंत्री

राजकाज पर ई-फाइल सिस्टम, पर राजस्व में नामांतरण की फाइल अब भी ऑफलाइन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में अधिकारी-कर्मचारी के कामकाज को पारदर्शी व तेज कार्यशैली के लिए सरकार ने राजकाज पर 'ई-फाइल' सिस्टम लागू किया है। लेकिन राजस्व विभाग, भू-प्रबंध विभाग व रेवेन्यू बोर्ड के बीच तालमेल नहीं होने के कारण लैंड रिकॉर्ड के कामकाज की फाइलें अब भी 'ऑफलाइन' ही है। प्रदेश में रहन, बेचान, विरासत, हक त्याग, कोर्ट स्टे सहित अन्य मामलों के करीब पांच हजार नामांतरण पेंडिंग हैं। किसानों को लैंड रिकॉर्ड में रहन व नामांतरण दर्ज करवाने के लिए पटवार भवन व तहसील में चक्कर लगाने पड़ रहे है।

रेवेन्यू बोर्ड के बार बार पत्र लिखने के बाद भी एनआईसी ई-धरती सॉफ्टवेयर पर पटवारियों के आई.डी. रजिस्ट्रेशन नहीं कर रहा है। भू-प्रबंध विभाग व राजस्व अधिकारी एप बनाने वाली कंपनी के बीच

विवाद के कारण 5 माह से एप बंद है। जबकि सीएम गहलोत ने बजट में विक्रय, हक त्याग व गिफ्ट डीड के दस्तावेजों की रजिस्ट्री होते ही स्वतः नामांतरण (म्यूटेशन) दर्ज कर जमाबंदी को अपडेट करने का प्रावधान किया है।

नामांतरण के लिए किसान और पटवारी जाते हैं तहसील

फिलहाल ई-धरती सॉफ्टवेयर से ही नामांतरण खोले जा रहे हैं। ई-धरती सॉफ्टवेयर की आईडी केवल तहसील के एलआरसी व तहसीलदार के पास ही है। ऐसे में पटवारी को तहसील आकर नामांतरण आवेदन का प्रिंट लेना पड़ता है। कागज पर ही पटवारी की रिपोर्ट होती है। किसान उस कागज को लेकर गिरदावर के पास जाता है। गिरदावर की जांच रिपोर्ट के बाद वापस तहसील या ग्राम पंचायत में जाकर नामांतरण दर्ज करवाना पड़ता है।

ऑनलाइन सिस्टम बंद, किसानों को नहीं मिल रहा बैंक लोन

कृषि लोन व केसीसी का ऑनलाइन सिस्टम पांच महीने से बंद है। पहले किसान का बैंक से लोन स्वीकृत होते ही जमाबंदी में रहन नामांतरण की ऑनलाइन प्रक्रि या हो जाती थी और बैंक किसान को लोन की राशि का पेमेंट कर देता था। लेकिन अब धारा 61 की कार्यवाही ऑनलाइन बंद है बैंक से लोन स्वीकृत होने के बाद ऑफलाइन रहन नामांतरण की प्रक्रि या होती है। किसान को बैंक, पटवारी व तहसील के चक्कर लगाने पड़त रहे हैं। कई किसानों को 4 माह से कृषि लोन नहीं मिल रहे हैं।

"**रहन** व नामांतरण की ऑनलाइन प्रक्रिया और राजस्व अधिकारी एप का मामला सरकार स्तर का है। सब हड़ताल पर हैं।
-अरविंद कुमार सेंगवा, एडिशनल कमिश्नर, भू-प्रबंध विभाग

आयकर कानून के नियम व उपनियम में संशोधन के लिए सौंपा ज्ञापन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर/ नई दिल्ली। भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के प्रतिनिधिमण्डल राष्ट्रीय चेयरमेन बाबूलाल गुप्ता के नेतृत्व में आयकर कानून के नियम व उपनियम में संशोधन के एक मेमोरेण्डम के साथ राजस्थान आयकर विभाग की मुख्य प्रधान कमिश्नर टी. टोनसिंग प्रसाद तथा राजस्थान के महानिदेशक आयकर के.व्ही. नरसिंहाचार्या से मिला। प्रतिनिधिमण्डल में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामावतार अग्रवाल तथा जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल उपस्थित रहे।

प्रतिनिधिमण्डल ने निवेदन किया कि विश्वव्यापी मंदी के दौर में छोटी-छोटी बचतों की आदतों के कारण भारतीय नागरिक की अर्थव्यस्था तथा भारत की अर्थव्यवस्था सुरक्षित रही। नई आयकर प्रणाली में चैप्टर 6 के तहत दिये जाने वाले डिडक्शन को समाप्त किया गया है, जिसे दिया जाना चाहिये। धारा 80जी के तहत कटौती की सीमा को बढ़ाकर 2.50 लाख किया जाना चाहिये। कराधान की सीमा की पुरानी व्यवस्था में और स्लैब निर्धारित किये जाने चाहिये।

भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय चेयरमेन बाबूलाल गुप्ता ने आयकर अधिकारियों से निवेदन किया कि सेक्शन 206सी(1एच) के द्वारा दस करोड़ का टर्नओवर करने वाला विक्रेता मूल्य का 0.1 प्रतिशत टीसीएस संग्रहित करेगा। माल खरीद करने वाला धारा 194क्यू के अन्तर्गत बेचवाल को भुगतान करते हुये उससे 0.1 प्रतिशत टीडीएस संगहित करेगा। यह प्रावधान समाप्त किये जाने चाहिये क्योंकि दोनों ही व्यक्ति क्रेता एवं विक्रेता आयकर में पंजीकृत है।

अग्रवाल समाज समिति मुरलीपुरा क्षेत्र के त्रेवार्षिक चुनाव

निर्विरोध निर्वाचित हुई कार्यकारिणी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अग्रवाल समाज समिति मुरलीपुरा क्षेत्र के त्रेवार्षिक चुनाव निर्धारित तिथि 29-30 अप्रेल 2023 को अग्रवाल समाज के अग्रसेन भवन -गंगा जामुन कॉलोनी, दादी का फाटक पर चुनाव अधिकारी मोहन लाल अग्रवाल व सह चुनाव अधिकारी ज्ञान चंद अग्रवाल के देखरेख मे निष्पक्षता से सम्प्रन हुए, पाँच पदों अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त मंत्री, कोषाध्यक्ष एवं 21 कार्यकारिणी सदस्य के लिए नामांकन दाखिल हुए, जिसमे सभी पदों के लिए एक -एक नामांकन दाखिल हुए एवं नामांकन दाखिल करने के अंतिम समय तक और प्रत्याशी के नहीं रहने के कारण सभी पदों के प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। जिसमे अध्यक्ष अशोक पंसारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज चौधरी, महासचिव मक्खन कांडा, संयुक्त मंत्री -किशन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष - श्याम बिहारी सिंघल, कार्यकारिणी सदस्य पवन कुमार मित्तल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, लालचंद गुप्ता, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, अशोक कुमार अग्रवाल, चंद्र प्रकाश अग्रवाल, बजरंग लाल कांडा, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, संजय कुमार अग्रवाल, संजेश कुमार गोयल, श्याम सुन्दर गुप्ता, सत्य नारायण अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अजय कुमार अग्रवाल, ज्ञान चंद गोयल, जगदीश प्रसाद गर्ग,महेन्द्र अग्रवाल, प्रतिक अग्रवाल, पूरन मल अग्रवाल निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये गए। चुनाव उपरांत अग्रसेन भवन समिति के अध्यक्ष पद पर शंकर लाल अग्रवाल व 3 नए कार्यकारिणी सदस्य प्रहलाद अग्रवाल, CA दिनेश गुप्ता, अशोक बंसल जी समिति के द्वारा मनोयन किया गया। सभी के निर्विरोध निर्वाचित चुने जाने व मनोनीत समिति को समाज के सभी लोगो ने बधाई दी एवं नई कार्यकारिणी के नेतृत्व में समाज के चहुमुखी विकास होने की शुभ कामनाये दी।

आयुष मंत्रालय द्वारा योग समारोह आयोजित

उत्साह से किया योगाभ्यास

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भवानी निकेतन प्रांगण, सीकर रोड, जयपुर में योग समारोह का आयोजन किया। समारोह में हजारों पुरुष, महिला एवं बच्चों ने भाग लिया। इस दौरान राज्यपाल कलराज मिश्र, केंद्रीय मंत्री सर्वानन्द सोनवाल, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, जयपुर शहर के सांसद रामचरण बोहरा, सांसद दियाकुमारी सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

इस दौरान केंद्रीय मंत्रीगणों व सांसद रामचरण बोहरा ने स्वच्छता अभियान के संदर्भ में पार्षदो का सम्मान किया। इस

अवसर पर दिनेश कांवट वरिष्ठ पत्रकार शिवदयाल मिश्रा, भाजपा नेता शैलेन्द्र शर्मा, मोहनलाल नामदेव, मुकेश जोशी, श्रवण कुमावत, कौशल शर्मा, स्नेहलता साबू, नितिन नामदेव सहित अन्य कार्यकर्ता व सामाजिक संस्थाओं के लोग उपस्थित रहे। शानदार कार्यक्रम के लिए आयुष मंत्रालय की टीम व भवानी निकेतन शिक्षा संस्था के गणमान्य सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया।

वर्ल्ड डांस डे पर कुचीपुडी नर्तक पदमश्री जयराम राव की खास प्रस्तुति

नृत्यम् फेस्टिवल में बही कुचिपुड़ी, कथक की रसधारा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जवाहर कला केंद्र के रंगायन सभागार में विश्व नृत्य दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले नृत्यम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राजस्थान सरकार के कला और संस्कृति विभाग के सहयोग से अग्रवाल एजुकेशनल कल्चर एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में कुचीपुडी नर्तक पदमश्री जयराम राव ने अपने वरिष्ठ शिष्याओ टी लक्ष्मी और रेशमा सुरेश के साथ सुंदर कुचीपुडी नृत्य प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ कथक गुरु डॉ शशि सांखला के शिष्य शिष्याओ ने वंदना रंगीला शंभू और तराना की मनोहारी प्रस्तुति दी। डॉ. स्वाति अग्रवाल ने गणेश वंदना गणराज नाचे थई जिसमें भगवान गणेश के नर्तक रूप का चित्रण प्रस्तुत किया। इसके साथ डॉ स्वाति अग्रवाल की छात्राओं ने ताल त्रिताल, देवी की वंदना, चतुरंग , चैती, तराना आदि की मनोरम प्रस्तुति दी। चतुरंग की प्रस्तुति चार्वी, ऐश्वी शांभवी, संस्कृति, अदिति और शाईनी द्वारा दी गई, तराना - पूर्वा, जया, आद्या, यश्वी, ऋत्विका और आराध्या द्वारा प्रस्तुत किया गया। ताल त्रिताल - दृष्टि, दुर्गेश, इशिका, अवनि, सिया और वेदांगी ने प्रस्तुत किया। चैती - राधिका ऋषिका, शीन, मानवी, हिया,

ऋषिता ने प्रस्तुत किया। देवी की वंदना- ऐश्वी, शिप्रा, रेणु, अक्षिता, फाल्गुनी, निम्मी और यश्वी ने प्रस्तुति की। शिव पंचाक्षर स्तोत्र-रोहिणी, मिश्का, हिमाद्र, श्रृष्टि, भविष्या, तत्विका, लक्षिता और डेलिशा द्वारा प्रस्तुति की गई। तराना की प्रस्तुति प्रसन्ना, केशवी, यशिका, आरवी शर्मा, आरवी सोमानी, अविका, चारवी और ऋत्विका के द्वारा की गई। पढ़न्त पर कौशल कांत पवार, गायन पर रमेश मेवाल, सितार पर हरि हरशरन भट्ट ,सारंगी पर अमरुद्दीन खान और तबले पर मुजफ्फर रहमान ने संगत की। मंच संचालन प्रणय भारद्वाज ने किया। कार्यक्रम में कलाकारों ने दर्शकों की खूब तालियां और वाहवाही बटोरी। नृत्यम कार्यक्रम का प्रत्येक वर्ष आयोजन किया जाता है। इस कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाती है। इस कार्यक्रम के माध्यम से कला प्रेमियों को विभिन्न शास्त्रीय नृत्यों की प्रस्तुति देखने का अवसर प्राप्त होता है।

यूरो एशियाटिक स्कूल में फॅमिली डे पपेट शो "गर्मी की छुट्टियां" आयोजन

जागरूक जनता @ जयपुर। चित्रकूट स्थित यूरो एशियाटिक स्कूल में फॅमिली डे पपेट शो "गर्मी की छुट्टियां" मनाया गया। इस अवसर पर सभी अभिभावक उपस्थित थे। स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती परोमा अवस्थी ने बताया की हर महीने के अंतिम दिन को कांसेप्ट डे के रूप में मनाया जाता है जिसका उदेश्य बच्चों में समझ को विकसित करना है। इस महीने का कांसेप्ट मी,माइसेल्फ व फॅमिलीजेड था। इस अवसर पर बच्चों ने फोनिक सांग पर अपनी प्रस्तुति दी तथा बच्चों व अभिभावक के लिए अध्यापिकाओ की ओर से दादी नानी की कहानियो पर आधारित पपेट शो का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल अवस्थी ने सभी अभिवावको का धन्यवाद दिया।

उर्स के मौके पर रक्तदान शिविर आज

जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। हजरत काजी चलफिर शाह रहमतुल्लाह अलेह के 95वें उर्स के मौके पर काजी पिया ब्लड फाउंडेशन द्वारा 3 मई को दरगाह परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। मुबारिक खान ने बताया कि काजी सरकार के उर्स के मौके पर आयोजित होने वाले विविध कायर्कमों की श्रृंखला में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक रक्तदाता को फाउंडेशन की ओर से एक हेलमेट स्मृति चिन्ह के रुप में भेंट किया जाएगा। रक्तदान शिविर में 200 यूनिट से अधिक रक्तदान का लक्ष्य रखा गया है। शिविर को लेकर सेकेट्री फरीद खान, जाहिद हुसैन नीलगर, हुसैनी जिम्मी, आदिल हुसैन, सबा खान, अमानत अली सहित अन्य तैयारियों में लगे हुए हैं।

भगवान विश्वकर्मा वार्षिक उत्सव 6 को

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जांगिड़ समाज डाबला, सीकर की ओर से भगवान विश्वकर्मा जी का प्रथम वार्षिक उत्सव 6 मई को श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर सिद्धेश्वरी गुरू माँ एवं संत श्री सर्वेश्वरदास जी महाराज (श्यामगढ़) के सानिध्य में मनाया जाएगा। कार्यक्रम आयोजक मुकेश कुमार जांगिड़ ने बताया कि महोत्सव के दौरान विश्वकर्मा जी का श्रृंगार पूजन, विश्वकर्मा चालीसा, सुंदरकांड, पूजा, हवन, संत श्री एवं अतिथियों का सम्मान किया जाएगा। अंत में भंडारा प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

पेपलम ड्रेस शॉर्ट प्लेटेड कुर्ती होती है, जो घेरे वाले शॉर्ट स्कर्ट जैसी दिखाई देती है और इसमें जैकेट या ब्लाउज भी होता है। इन्हें आप शरारा, प्लाजो, पैंट, स्कर्ट प्लाजो, जेगिंग्स, लेगिंग या चूड़ीदार के साथ पहन सकती हैं।

हर ऑकेजन के लिए बेस्ट पेपलम कुर्तियां

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गर्मी के मौसम में हर रोज परफेक्ट-कंफर्टेबल ड्रेस सेलेक्ट करना ईजी नहीं होता है। अगर रोज-रोज नॉर्मल सलवार-सूट पहनकर आप बोर हो चुकी हैं, कुर्ती और सलवार में कई तरह के स्टाइल और कट आप ट्राय कर चुकी हैं तो पेपलम स्टाइल की कुर्ती आपको जरूर पसंद आएंगी। पेपलम कुर्तियां देखने में बेहद स्टाइलिश लगती हैं। अगर आप यह सोचती हैं कि पेपलम कुर्ती को केवल एक ही तरीके से स्टाइल किया जा सकता है तो आपको बता दें कि ऐसा सोचना सही नहीं है। इन कुर्तियों को मनचाही स्टाइल में आप पहन सकती हैं।

पेपलम कुर्ती की डायमेंशंस

पेपलम कुर्ती या पेपलम टॉप दोनों एक ही ड्रेस को कहते हैं। बस, दोनों का नाम बॉटम के साथ पहनने से बदला है। पेपलम कुर्ती या टॉप की फिटिंग ना टाइट होती है, ना लूज। कमर के बाहर कुर्ती या टॉप का घेरा अंब्रेला शेप में होता है। इसकी लंबाई थाई के सेंटर तक होती है। कई बार घेरे में प्लीट्स भी दिए जाते हैं। इसमें थ्री फोर्थ लंबाई की स्लीव्स ट्रेंड में है।

बॉटम में हैं कई ऑप्शंस

पेपलम कुर्ती या टॉप को कई तरह से बॉटम के साथ पहन सकते हैं। जैसे- प्लाजो पैंट, स्कर्ट प्लाजो, जेगिंग, लेगिंग, शरारा, गरारा, चूड़ीदार, जींस, धोती सलवार या पटियाला सलवार। इसे जिस तरह से बॉटम के साथ पहन रही हैं, उसी से उसका नामकरण हो जाता है। यानी प्लाजो पैंट या जींस के साथ इसे पेपलम टॉप कहा जाएगा और चूड़ीदार या धोती सलवार के साथ इसे पेपलम कुर्ती कहा जाता है।

डेली या फेस्टिव वियर में फिट

पेपलम टॉप या कुर्ती को किसी भी मौके पर पहन सकते हैं। इसे डेली वियर में पहनें, ऑफिस वियर में या फेस्टिव वियर के रूप में भी कैरी कर सकती हैं। हर जगह, हर मौके पर इस स्टाइल की कुर्ती या टॉप अच्छे लगते हैं। इसे इंडो वेस्टर्न लुक देना चाहती हैं तो जींस के साथ बांधनी स्टॉल कैरी करें। साथ में आई मेकअप स्मोकी और लिप कलर न्यूट्रल रखें। यह लुक आपको हटकर दिखाएगा। पेपलम कुर्ती के साथ मैचिंग या कंट्रास्टिंग दुपट्टा जरूर कैरी करें। इसका कारण यह है कि दुपट्टा ही इसे इंडियन सलवार-सूट का लुक देगा।

अट्रैक्टिव लगे प्रिंट ऑन प्रिंट

आजकल पेपलम टॉप या कुर्ती में प्रिंट ऑन प्रिंट का फैशन भी ट्रेंड में है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन शॉपिंग पोर्टल्स में पेपलम में प्रिंट ऑन प्रिंट काफी डिमांड में है। अगर आप इसे सिलवा रही हैं, तो इसमें सेल्फ डिजाइन प्रिंट ऑन प्रिंट का चयन करें। लेकिन इसका फैब्रिक सीजन को ध्यान में रखकर सेलेक्ट करें। गर्मियों के लिए कॉटन या रेयॉन फैब्रिक बेस्ट रहता है, जबकि सर्दी आने पर इसमें वेलवेट फैब्रिक का चयन करें।

स्लीव्स में मौजूद कई ऑप्शन

डेली वियर और ऑफिशियल वियर में पेपलम टॉप या कुर्ती में थ्री फोर्थ स्लीव्स अच्छी लगती हैं। इसमें फैशन सेंस को एड करने के लिए स्लीव्स में अपनी पसंद का डिजाइन सेलेक्ट कर सकती हैं। इसे अगर आप डेली वियर में पहन रही हैं तो इसमें टाइट फिटिंग में थ्री फोर्थ स्लीव पहनें। पेपलम टॉप या कुर्ती किसी फेस्टिवल, पार्टी या मैरिज सीजन में पहन रही हैं तो इसमें स्लीव में फ्रिंज फुल स्लीव्स बनवाएं। इसके बॉटम में शरारा पहनें। यह आपके स्टाइल को बूस्ट करेगा। इसके साथ मैचिंग या कंट्रास्टिंग शेड का शियर दुपट्टा कैरी करें। यह आपको ग्लैमरस लुक देगा। साथ ही एलिगेंट भी दिखाएगा।

हम आपको कुछ किचेन टूल्स के एक्सट्रा यूज के बारे में बता रहे हैं। इनके बारे में जानकर ये किचेन टूल्स आपके लिए और भी यूजफुल हो जाएंगे।

किचेन टूल्स का करें मल्टीपर्पस यूज

अपने किचेन में आप छोटे-बड़े कई टूल्स रखती हैं, जिनका अलग-अलग कामों में यूज किया जाता है। लेकिन आप अगर जरा-सा हटकर सोचें तो किसी एक काम के लिए खरीदा गया टूल, कई दूसरे काम के लिए भी इस्तेमाल कर सकती हैं। कैसे, बता रहे हैं आपको।

वेजीटेबल पीलर से चीज स्लाइस: अगर आपको चीज के लंबी और पतली स्लाइसेस की जरूरत है तो वेजीटेबल पीलर को आजमा कर देखिए। विशेष रूप से सीजर सलाद या पास्ता पर सर्व करने के लिए ऐसी परतदार चीज की ज्यादा जरूरत होती है। कई बार फ्रिज में मक्खन कठोर हो जाता है, ऐसे में वेजीटेबल पीलर से उसकी परत टोस्ट पर रखें तो फटाफट पिघल जाएगा और आपका काम भी आसान हो जाएगा। आइसक्रीम पर चॉकलेट के कर्ल बनाने के लिए भी वेजीटेबल पीलर का उपयोग कर सकती हैं।

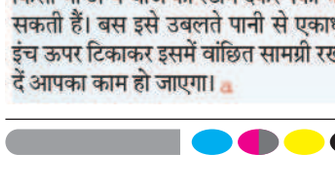

आइसक्रीम स्कूप से कुकी डफ की माप : अगर आप चाहती हैं कि सारी कुकीज एक ही आकार की बनें, इसके लिए बार-बार हाथ भी गंदे ना करने पड़ें तो आइसक्रीम स्कूप का उपयोग करें। छोटी कुकीज बनाना चाहें तो मेलन स्कूप (तरबूज काटने वाला) इस्तेमाल कर सकती हैं।

पिज्जा कटर से हर्ब्स की कटिंग : आप पिज्जा व्हील से पिज्जा को काटती हैं लेकिन कभी आपने सोचा है कि इससे पास्लें, पुदीना, धनिया, प्याज पत्ती आदि की कटिंग भी बहुत अच्छी तरह से की जा सकती है। सिर्फ यही नहीं, आप इससे छोटे बच्चों के लिए पैनकेक, पास्ता आदि की कटिंग भी खूबसूरती से कर सकती हैं।

मफिन ट्रे या चॉकलेट मोल से आइस क्यूब : कई बार हमें अधिक बर्फ की जरूरत पड़ जाती है लेकिन घर में आइस ट्रे सीमित मात्रा में ही होती है। ऐसे में आप चाहें तो मफिन ट्रे या चॉकलेट मोल्ड में पानी डालकर भी बर्फ जमा सकती हैं। आपको एक्स्ट्रा आइस क्यूब्स घर में ही मिल जाएंगी।

छलनी से स्टीम दें : आमतौर पर आप किचेन में साग-सब्जी या फल धोने के लिए कोलैंडर्स या चलनीनुमा थाली/बास्केट आदि का इस्तेमाल करती हैं। क्या आपने सोचा है कि इससे आप पत्ते वाले साग या सब्जियों या किसी भी अन्य चीज को स्टीम देकर पका भी सकती हैं। बस इसे उबलते पानी से एकाध इंच ऊपर टिकाकर इसमें वांछित सामग्री रख दें आपका काम हो जाएगा।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बच्चे जिस जगह और माहौल में पढ़ते हैं, इसका भी उनकी स्टडी पर बहुत असर पड़ता है। इस लिहाज से स्टडी टेबल भी बहुत मायने रखती है। इसलिए इसे सेलेक्ट करते समय और उसकी डिजाइन, कंफर्ट और केयर से जुड़ी कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

ऐसी हो आपके बच्चे की स्टडी टेबल

अगर आप चाहती हैं कि आपका बच्चा पढ़ने-लिखने में रुचि ले, वह जो कुछ पढ़े उसे अच्छी तरह समझ में आए तो उसे पढ़ाई के लिए एक अच्छी-सी स्टडी टेबल जरूर दें। स्टडी टेबल महज फैशन की चीज नहीं है बल्कि यह बहुत साइंटिफिक जरूरत भी है। स्टडी टेबल पर बैठकर पढ़ने से बच्चे का ध्यान इधर-उधर नहीं भटकता, उसका कंसंट्रेशन बनता है और वह जो कुछ पढ़ता है, वह उसे समझ में आता है।

इसलिए है जरूरी : अब आप सोच रही होंगी कि आपके बच्चे के लिए कैसी स्टडी टेबल होनी चाहिए? दरअसल, पढ़ाई के लिए बहुत अधिक कंसंट्रेशन की जरूरत होती है। ऐसे में बच्चे की पढ़ाई के लिए घर में एक अलग से कमरा हो तो बहुत अच्छी बात है। कमरा ना हो तो घर का एक एकांत कोना भी अच्छा माना जाता है। बच्चे का अलग रूम हो या स्टडी कॉर्नर, क्वालिटी पढ़ाई के लिए एक स्टडी टेबल होना जरूरी है। ट्रेडिशनल बुक्स-कॉपीज के अलावा आज कंप्यूटर या लैपटॉप की जरूरत भी बच्चों को पड़ने लगी है। ऐसे में स्टडी टेबल पर ही कंप्यूटर या लैपटॉप के लिए सही तरह से जगह बनाने में आसानी होती है।

स्टडी टेबल बनवाएं या खरीदें: स्टडी टेबल लेते समय यह दुविधा भी पैरेंट्स के मन में होती है कि इसे खरीदा जाए या बनवाया जाए? स्टडी टेबल खरीदी भी जा सकती है और अपनी जरूरत के अनुसार बनवाई भी जा सकती है। दोनों में फर्क यह है कि जहां खरीदने पर यह टेबल हाथों हाथ मिल जाती है, वहीं बनवाने में काफी दिन लग सकते हैं। अगर बाजार से बनी-बनाई रेडीमेड स्टडी टेबल खरीदने की प्लानिंग कर रही हैं तो अच्छी तरह से घर में ही सोच-विचार करके बाजार जाएं ताकि सुनिश्चित कर सकें कि बच्चे को किस तरह के स्टडी टेबल की जरूरत है? लेने से पहले चेक कर लें कि उसमें कंप्यूटर और लैपटॉप के अलावा किताबें, कापियां आदि रखने के लिए भी जगह हो। टेबल के बुक रैक में अगर एकाध कैबिनेट हो तो और बढ़िया है। इसमें एक्सट्रा पेपर, ज्योमेट्री बॉक्स, कलर बॉक्स आदि रखे जा सकते हैं।

रेग्युलर करवाएं साफ-सफाई : पढ़ाई शुरू करने से पहले और खत्म करने के बाद बच्चों में अपनी स्टडी टेबल को ठीक से साफ करने की आदत जरूर डलवाएं। अगर स्टडी टेबल या उसके आस-पास गंदगी होगी या सामान बिखरा होगा तो इसका असर स्टडी पर भी पड़ता है। इसलिए साफ-सफाई पर ध्यान देना जरूरी है।

ये सामान भी हैं जरूरी : स्टडी टेबल पर एक छोटी-सी घड़ी रखना नहीं भूलना चाहिए। बेहतर होगा एक ऐसा घड़ी वाला स्टैंड हो, जिसमें कैलेंडर, पेन, पेपर नाइफ, मैग्नीफाइंग ग्लास, कैंची, स्केल आदि रखने की जगह भी हो यानी घड़ी वाला पेन स्टैंड। आजकल विभिन्न कंपनियों के ऐसे पेन स्टैंड बाजार में आसानी से मिल जाते हैं। लेकिन अगर इनके साथ अलार्म भी हो जिसे सेट किया जा सके तो और भी अच्छा रहेगा। बच्चों में अलग-अलग विषय की पढ़ाई के लिए टाइम मैनेजमेंट की आदत डालनी चाहिए। इसमें अलार्म घड़ी काफी मददगार साबित होगी। इसके अलावा टेबल के ऊपर या उसके पास की दीवार में ऐसी जगह पर एक नोटिस बोर्ड लगाएं ताकि जरूरी काम की बातें बच्चा वहां नोट कर सके। स्टडी टेबल पर एक टेबल मैट भी होना चाहिए। इन सारी बातों पर विचार करके ही बच्चों के लिए पढ़ने लिखने का इंतजाम करें। इससे ना केवल बच्चा मन लगाकर स्टडी कर सकेगा, उसे कंफर्टेबल भी फील होगा।

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

प्रेग्नेंसी के दौरान हर महिला के शरीर में कई तरह के चेंज होते हैं। इस वजह से कुछ प्रॉब्लम्स फेस करनी पड़ सकती हैं। इनके बारे में जानना और बिना परेशान हुए इन्हें सही तरह से ट्रीट करना बहुत जरूरी है।

प्रेग्नेंसी के दौरान इन प्रॉब्लम्स को ना करें इग्नोर

गर्भावस्था के पहले 3 महीने के दौरान बच्चे के अधिकतर अंग आकार ले लेते हैं। यह बहुत ही महत्वपूर्ण समय होता है। अगर इस समय बच्चे के पोषण में कुछ कमी रह जाए या मां जरूरी सावधानियां न बरते तो बच्चे में जन्मजात विकृति के होने का खतरा रहता है। इसीलिए इस दौरान गर्भवती महिला को कोई भी दवाई डॉक्टर की सलाह से ही लेनी चाहिए। यहां तक कि सिरदर्द या उल्टी की दवा लेने में भी यह सजगता बरतनी चाहिए। इसी तरह शराब पीना, धूम्रपान करना और तंबाकू चबाना आदि भी गर्भावस्था के दौरान बच्चे के विकास और वृद्धि को प्रभावित करते हैं। इससे बच्चे में मानसिक असामान्यता भी आ सकती है। प्रेग्नेंसी के दौरान मां का ज्यादा कॉफी, चाय और सॉफ्ट ड्रिंक्स पीना भी बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है। दरअसल, इनमें कैफीन होता है, जो गर्भावस्था में बच्चे के ऊपर हानिकारक प्रभाव डाल सकता है। इसलिए पूरी सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

होते हैं फिजिकल-मेंटल चेंजेज : प्रेग्नेंसी के दौरान महिला की फिजिकल और मेंटल कंडीशन काफी बदल जाती है। जैसे इस दौरान महिला के बाल सुंदर हो जाते हैं, उसकी आंखों में चमक आ जाती है, उनका वेट बढ़ता है। इसके अलावा पूर्ण होने का आभास उन्हें हर पल रहता है। वे बहुत इमोशनल हो जाती हैं। इसलिए इस दौरान परिवार में सभी सदस्यों को मुख्यतः होने वाली संतान के पिता को, गर्भवती महिला को इमोशनल सपोर्ट देना चाहिए। गर्भावस्था में होने वाली समस्याओं जैसे लेबर पेन को लेकर अकसर वे चिंतित रहती हैं। उनको अपनी इस प्रकार की चिंता और बेचैनी अपने पति या सास, जेठानी के साथ बांटनी चाहिए।

बेहोश होना या चक्कर आना : कुछ महिलाएं गर्भावस्था के दौरान हार्मोन में बदलाव के कारण अचानक उठने या चलने पर चक्कर महसूस करती हैं। कुछ महिलाएं क्षण भर के लिए कभी-कभार बेहोश भी हो जाती हैं। सुरक्षा की दृष्टि से महिलाओं को अचानक उठना या बैठना नहीं चाहिए।

जी मिचलाना-पेट में खालीपन : कुछ महिलाओं को सुबह के समय उबकाई के साथ जी मिचलाने की शिकायत हो सकती है। यह परेशानी खाली पेट होने पर या जंक फूड खाने पर अधिक बढ़ती है। इससे बचने के लिए प्रेग्नेंट महिलाओं को सुबह फ्रेश होने के बाद देर तक भूखे नहीं रहना चाहिए कोई नाश्ता रेडी ना हो तो चाय के साथ बिस्कुट या रस्क लेना चाहिए। कुछ महिलाएं पेट में अजीब-सा खालीपन महसूस करती हैं। इसके लिए उनको एक सेब या केला खाना चाहिए। इसके अलावा पर्याप्त मात्रा में पानी, जूस और अच्छा लगने वाला पेय पदार्थ लेना चाहिए। इन समस्याओं को घरेलू तरीको से ठीक करने के लिए एक चम्मच पुदीना रस, 1/2 चम्मच अदरक रस और एक नीबू के रस को एक बड़े चम्मच शहद में मिलाकर प्रतिदिन प्रातः काल लेना चाहिए। सुबह के समय में होने वाली ये समस्याएं गर्भावस्था के प्रारंभिक 3 माह के पश्चात समाप्त हो जाती हैं।

बार-बार यूरीनेशन-कब्ज होना : प्रेग्नेंसी में यूट्रस के बड़े होने के कारण यूरीनरी ब्लैडर पर दबाव पड़ने से इन दिनों बार-बार पेशाब आता है। इसे लेकर परेशान ना हों, लेकिन अगर यूरीन करते हुए जलन हो तब पेशाब में होने वाले संक्रमण की जांच के लिए डॉक्टर से संपर्क करें। वरना तो यह कोई बड़ी समस्या नहीं है। इन दिनों में कब्ज होना भी साधारण समस्या है। दरअसल, गर्भावस्था के दौरान जो हार्मोन बनते हैं, वो आंतपेशीय पर आराम डालने के लिए उन्हें निष्क्रिय बनाते हैं। इस वजह से कब्ज हो सकती है। कुछ महिलाओं में आयरन की गोली लेने से कब्ज होती है इसलिए यह परेशानी होने पर आयरन लेने का तरीका बदलना चाहिए। कब्ज से बचने के लिए कच्ची सब्जी, फल खाना चाहिए और अधिक पानी पीना लाभदायक होता है। इसके अलावा दो या तीन गिलास जूस पीएं और गेहूं से बना दलिया या ब्रेड खाएं।

डॉक्टर से करें कंसल्ट : प्रेग्नेंसी के दौरान अगर आपको किसी डॉक्टर के पास जाना पड़े तो उन्हें प्रेग्नेंसी के बारे में जरूर बता देना चाहिए। कोई भी समस्या होने पर अपने मन से दवा नहीं खानी चाहिए,

जागरूक खबरें

नारायण सेवा संस्थान के दिव्यांगों के डांस पर लोगों ने दी दुआएं

जागरूक जनता @ उदयपुर। अंतर्राष्ट्रीय डांस डे के अवसर पर नारायण सेवा संस्थान ने दिव्यांगों के नृत्य कौशल को मंच देने के लिए वडोदरा के स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में भव्य डांस समारोह का आयोजन किया। जिसमें करीब 200 दिव्यांगों और सामान्य जनों ने विभिन्न गीतों पर दमदार प्रस्तुतियाँ दी। मनमोहक नृत्य देख लोग आश्चर्यचकित हुए। समारोह की मुख्य अतिथि गुजरात सरकार की सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री भानुबेन बाबरिया ने कहा नृत्य करने से हमारा शरीर स्वस्थ और मन प्रफुल्लित होता है। सभी को नाच-गान करना चाहिए और अपनी भावनाओं को दूसरों के साथ जाहिर कर खुश होते रहना चाहिए। दिव्यांग बच्चों एवं बन्धुओं का जोश व प्रदर्शन सामान्य लोगों को सोचने के लिए मजबूर करने वाला है। नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि मेयर, उपमहापौर एवं नेताओं का अभिनंदन करते हुए प्रतिभावान दिव्यांग प्रतिभागियों को सम्मानित किया। समारोह में एक हजार से अधिक लोगों ने दिव्यांगों का हौसला अफजाई करते हुए दुआएं दी।

विश्व नृत्य दिवस-2023

सांखला फाटक और कोटगेट पर प्रस्तावित रेलवे अंडर ब्रिज का जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

जागरूक जनता @ बीकानेर। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने सांखला फाटक और कोटगेट पर प्रस्तावित रेलवे अंडर ब्रिज स्थल का जायजा लिया। उन्होंने इसकी कार्ययोजना बनाकर जल्दी से जल्दी कार्य शुरू करने के निर्देश दिए, जिससे इस क्षेत्र की यातायात व्यवस्था सुगम हो और आमजन को राहत मिल सके। इस दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता मुकेश गुप्ता, अधिशासी अभियंता नरेश जोशी, नगर विकास न्यास के सहायक अभियंता भव्य दीप सहित संबंधित विभागों की अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा इस वर्ष के बजट में कोटगेट और सांखला फाटक पर रेलवे अंडर ब्रिज बनाने की घोषणा की तथा इसके लिए 35 करोड़ रुपए भी स्वीकृत किए। इसके मद्देनजर जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को साथ लेकर स्थल का जायजा लिया।

ऑनलाइन नारी नमन कला महोत्सव आयोजित

जागरूक जनता @ लुधियाना। पुनीत अनुपम ग्रुप द्वारा ऑनलाइन नारी नमन कला महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें नृत्य, गायन, संगीत, कॉमेडी, अभिनय, कुकिंग, पेंटिंग, योग, काव्य पाठ, मेकअप, कैट वॉक सहित विडियो रूप में प्रस्तुत की जा सकने वाली किसी भी कला की जानकार या कला में माहिर महिला कलाकार शख्सियतों को अपनी कला विडियो रूप में प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर दिया गया। इस महोत्सव में देश के अलग-अलग राज्यों की महिला कलाकार शख्सियतों ने भाग लिया। इस महोत्सव में रंजीता अवस्थी (शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश), रिंकी खंडेलवाल (दौसा, राजस्थान) और मधु श्रीवास्तव (प्रयागराज, उत्तर प्रदेश) द्वारा प्रदर्शित की गई कला प्रतिभा ने ग्रुप का ध्यान विशेष रूप से आकर्षित किया। महोत्सव में सम्मिलित प्रतिभागी कलाकार शख्सियतों को ऑनलाइन 'पुनीत कला श्री' सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार ने महोत्सव में प्रदर्शित की गई कला प्रतिभा पर अपनी महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देकर कलाकार शख्सियतों का मार्गदर्शन व उत्साहवर्धन किया।

दो दिवसीय अखिल भारतीय वेद विज्ञान सम्मेलन

भारत को विश्वगुरु बनना नहीं है, बल्कि भारत विश्वगुरु है-कोविंद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती पर पूसा संस्थान स्थित सी सुब्रमण्यम हाल में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय वेद विज्ञान सम्मेलन में दूसरे दिन पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह सनातन धर्म की विशेषता है की हमारी संस्कृति आज भी वैसी ही है। भारतीय संस्कृति का मूल जिन्हें हम वेद कहते है, ये वेद वैदिक परंपरा का मूल है। यह कहना अनुचित नहीं होगा की वेद उपनिषद संहिता आज के संदर्भ में वर्तमान राज्य संरचना में महत्वपूर्ण है।

रामनाथ कोविंद ने कहा कि मैं बार-बार कहता हूं कि हम प्रकृति के साथ जितना मिलकर चलेंगे हम उतने ही सुरक्षित रहेंगे। वेद हमारा सदैव मार्गदर्शन करते है। कई कार्यक्रमों में मुझे यह सुनने के लिए मिलता है की भारत विश्वगुरु बनने की दिशा में है। पर विश्वगुरु की कल्पना क्या है? भारत जो कहे वो समस्त विश्व माने क्या यह विश्व गुरु की अवधारणा हैं? भारत के विश्वगुरु बनने का सच्चा अर्थ है की भारत समस्त विश्व का मार्गदर्शन करें और यह मार्गदर्शन भारत ने किया है, जिसका साक्षात उदाहरण कोरोना काल में भारत का विश्व में योगदान और समस्त विश्व का योगदान को स्वीकार करना है और जी20 में भारत सदस्य देशों का मार्गदर्शन कर रहा है।

ऐसे में भारत को विश्वगुरु बनना नहीं है भारत विश्वगुरु है।सनातन धर्म का स्तंभ है वेद -समारोह में मौजूद राम लाल ने कहा कि 1200 वर्षों में भारत में अनेक उतार चढ़ाव आए। आजादी से पूर्व जिनका राज रहा उन्होंने चतुराई से भारत के मानस को बदलने की कोशिश की। भारत में हीन भावना भरने का प्रयास किया। कोरोना ने हमें कष्ट दिए उसके बाद विश्व के मानस में परिवर्तन आया है। एक विश्वास बना है कि भारत की जीवनशैली वेद ही हमें सुरक्षित रख सकती है। भारत की क्षमताओं से दुनिया प्रभावित हुई है।

दुनिया में जो चर्चा होती है उससे अंदाजा लगाया जा सकता है की भविष्य में भारत दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। ऐसे में भारत मार्गदर्शन लायक बने, इसकी हमें चिंता करनी है। वेद को न केवल जानना है बल्कि उसे जीना भी है। फिर शायद दस साल भी न लगे उससे पहले ही भारत मार्गदर्शन करने लगे। वेद वाई-फाई का पासवर्ड है। वेदों की अनुभूति करें उनको समझने का प्रयास करें। वेद को सब तक पहुंचाने की क्या व्यवस्था हो सकती है, इस पर विचार हो रहा है। वेदों में ईश्वर की वाणी और सनातन धर्म के आधार स्तंभ है।

सम्मेलन के द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र का विषय रहा 'महिला सशक्तिकरण वैदिक चिन्तन के सन्दर्भ में' एवं "युग निर्माता महर्षि दयानन्द सरस्वती की 200 वीं जयंती के उपलक्ष्य में'प्रस्तुत सत्र का संचालन आचार्य प्रेमपाल शास्त्री (अध्यक्ष, पुरोहित सभा) द्वारा किया गया। विभिन्न विद्वानों ने अपने वक्तव्य रखे यथा पवित्रा (प्राचार्या, कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, सासनी), डॉ. सत्यकाम शर्मा वेदालंकार, प्रो. विठ्ठलराव (महामंत्री, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा), डॉ. रचना विमल (दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. विजय कर्ण (नालन्दा विश्वविद्यालय, अशोक आर्य (पूर्व कमिश्नर), धर्मपाल आर्य। सत्रांत में अध्यक्ष स्वामी प्रणवानंद सरस्वती (आचार्य, गुरुकुल गौतम नगर, दिल्ली) सभा को संबोधित किया एवं स्वामी चिदानंद सरस्वती जी के सहयोग पर आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर स्वामी चिदानंद सरस्वती, संस्कृत शिक्षा संघ के अध्यक्ष डा. ब्रजेश गौतम, पुरोहित सभा के अध्यक्ष आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, सासनी स्थित कन्या गुरुकुल महाविद्यालय की प्राचार्य पवित्रा, डा. सत्यकाम शर्मा वेदालंकार, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री प्रो. विठ्ठलराव, दिल्ली विश्वविद्यालय से डा. रचना विमल, नालंदा विश्वविद्यालय से अशोक आर्य, धर्मपाल आर्य, गौतम नगर स्थित गुरुकुल के आचार्य स्वामी प्रणवानंद सरस्वती, वेद प्रकाश टंडन, वैदिक सम्मेलन के संयोजक प्रो. धमेंद्र शास्त्री व डा. देवेश प्रकाश उपस्थित रहे।

आचार्य पढ़ाते ही नहीं है, बालकों के जीवन को गढ़ते हैं-डॉ संतोषानंद

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

केकड़ी। विद्या भारती के आचार्य विद्यालयों में मात्र शिक्षण नहीं कराते, अपितु बालकों का समग्र विकास कर जीवन को गढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि, पश्चिम की शिक्षा में बालकों के सर्वांगीण विकास की अवधारणा खंडित है। विद्या भारती भारतीय जीवन दर्शन के आधार पर बालकों के पंचकोशों के विकास के माध्यम से समग्र विकास की अवधारणा को पूर्ण करती है। उन्होंने अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष एवं आनंदमय कोष के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए आचार्यों को छात्रों के सर्वांगीण विकास के सूत्र बताए। डॉक्टर संतोषानंद विद्या भारती राजस्थान द्वारा आयोजित नवीन प्रधानाचार्य प्रशिक्षण वर्ग पटेल आदर्श विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय में वैचारिक सत्र को संबोधित कर रहे थे। सत्र के प्रारंभ में वर्ग पालक अधिकारी प्रेम सिंह शेखावत ने डॉक्टर संतोषानंद राष्ट्रीय सह मंत्री विद्या भारती का परिचय एवं स्वागत किया।

वर्ग के बारे में जानकारी देते हुए वर्ग संयोजक किशन गोपाल कुमावत ने बताया, कि आने वाले दिनों में अखिल भारतीय मंत्री एवं संगठन मंत्रियों का वर्ग में मार्गदर्शन मिलने वाला है। कार्यक्रम में समाजसेवी यशवंत बेली, आभा बेली एवं भंवरलाल चौहान भी उपस्थित थे।

आम आदमी पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान समारोह हुआ आयोजित

जागरूक जनता @ केकड़ी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. संदीप पाठक और आप राजस्थान चुनाव प्रभारी व दिल्ली के विधायक विनय मिश्रा व आम आदमी पार्टी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल ने प्रदेश कार्यकारिणी के साथ लोकसभा एवं जिला की नई कार्यकारिणी की घोषणा की तथा इस उपलक्ष में आम आदमी पार्टी अजमेर के विधानसभा क्षेत्र केकड़ी मे नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमे अजमेर से आये लोकसभा अध्यक्ष त्रिवेन्द्र पाठक व देहात जिला अध्यक्ष अक्षयराज सिंह रावत व लीगल विंग जिला अध्यक्ष तारिक सोहैल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयों को माला पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। सम्मान समारोह मे आये नए लोगों को आम आदमी पार्टी की टोपी व माला पहनाकर सदस्यता दिलाई गई। अजमेर की नई कार्यकारिणी में केकड़ी विधानसभा मे ब्लॉक अध्यक्षो के साथ जिले की कार्यकारिणी मे मिला पदाभार अजमेर लोकसभा से महमूद अली को अजमेर लोकसभा सचिव, अजमेर शहर व देहात से महिपाल गुर्जर को अजमेर देहात जिला सचिव, दिनेश गुर्जर को अजमेर देहात जिला मीडिया प्रभारी, युगल किशोर कुमावत को युवा विंग देहात जिला अध्यक्ष, मनीष कुमार वर्मा को युवा विंग देहात जिला सचिव। केकड़ी विधानसभा ब्लाक कार्यकारिणी से अरबाज खान, महावीर प्रसाद, राहुल, शिवलाल धाकड़ को ब्लॉक अध्यक्ष केकड़ी विधानसभा नियुक्त किया गया। आम आदमी पार्टी ग्रामीण जिला मिडिया प्रभारी दिनेश सिंह गुर्जर ने बताया कि आम आदमी पार्टी ने संगठन निर्माण के बाद विस्तार करते हुए प्रदेश, जिला व ब्लॉक स्तर पर राजस्थान में लगभग 1500 पदाधिकारियों के नाम की घोषणा की है।

यह ब्रज रज का आनंद...धूल में लोट-लोटकर निभाई परंपरा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भरतपुर/गोवर्धन @ राधा शरण शर्मा। जिस ब्रजरज को मस्तक पर लगा लेने भर से मुक्ति का भी मुक्त होना मान लिया जाता है, उसी ब्रजरज में एक बार फिर से संतों को लोटने का अवसर मिला तो नहीं चूके। ऐसा लगा कि मानो वे ब्रज की धूल से स्नान कर रहे हों।

गिरिराज महाराज की तलहटी के राधाकुंड में 500 सौ साल पुरानी परंपरा में श्रीपाद रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी के आश्रित संतों, वैष्णवजनों, वेदपाठी विद्यार्थियों ने धूलोट महोत्सव मनाया। ब्रज रसिकों ने कहा है कि मुक्ति कहे गोपाल से, मेरी मुक्ति बताए, ब्रजरज उड़ मस्तक लगे, तो मुक्ति मुक्त है.... यही भाव के यहां के गौड़ीय संतों में देखने को मिला। हर कोई मोहे ब्रज की धूल बनादे लाड़िली श्रीराधे के भाव में नजर आया। पारंपरिक धूलोट महोत्स के बीच प्रातः बेला में श्रीपाद रघुनाथ दास गोस्वामी गद्दी के गद्दीनशीन पीठाधीश्वर महंत केशव दास महाराज के निर्देशन में गायन वादन के साथ कुंड की परिक्रमा की लगाई। परिक्रमा मार्ग के 18 मंदिरों में राधा-कृष्ण की लीलाओं का गायन व महिमा कीर्तन किया। तदुपरांत रात्रि बेला में धूलोट से पहले राधा-गोपीनाथ से कीर्तन कर ब्रज की रज में लोट लगाने की अनुमति मांगी। राधाकुंड के तट स्थित मंदिर परिसर में ब्रज के कोने-कोने से आई रज को गौरांग संस्कृत महाविद्यालय के वेदपाठी विद्यार्थियों ने बिछा दिया। देखते ही देखते ढोल, मृंदग, झांझ-मजीरा की धुन पर साधु-संत व भक्तों ने ब्रज की रज में लोट लगाना शुरू कर दिया।

परिक्रमा मार्ग व राधाकुंड का तट का पूरा माहौल ब्रजरजमय हो गया। धूलोट उत्सव में भाग लेने आये त्रिपुरा, आसाम, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, पंजाब, दिल्ली आदि प्रांतों के साथ-साथ विदेशी भक्तो ने भी मस्तक पर ब्रजरज लगाकर अपने को धन्य किया। धूलोट की रज को प्रसादी भाव में वितरित किया गया। इस अवसर पर पीठाधीश्वर महंत केशव दास महाराज ने बताया कि स्वयं उद्धव जी ने गोपीपद के रेणु में ब्रजरज की महिमा का वर्णन करते हुए रज के बीच लता-पताका और घास के रूप में जन्म लेने की इच्छा प्रकट की है। ब्रहमाजी ने स्वयं भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं के साक्षी ब्रज रज की महिमा का गुणगान किया है। यह ब्रजरज भगवान राधा-कृष्ण की लीलाओं की साक्षी है। 538 वर्ष पहले श्रीकृष्ण चैतन्य महाप्रभु ने राधाकुंड में ब्रज की रज की महिमा का गुणगान किया है, तभी से उनके अनुयायी ब्रजरज के धूलोट को मनाते हैं।

निस्वार्थ सेवा करना ही संस्था का उद्देश्य

जिनका नहीं कोई सहारा, दोस्त बनकर करेगें उनकी मदद - राजपुरोहित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिवाना। साधन भले कम हों, लेकिन मदद की भावना है, तो रास्ते बनते चले जाते हैं। आप जरूरतमंद की मदद करते हैं तो सुकून मिलता है, वह कहीं और नहीं मिलता। जरूरतमंदों की मदद के लिए मानव सेवा संस्था की टीम जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है।ये बात मानव सेवा संस्था के प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश सिंह राजपुरोहित ने स्थानीय सवांददाता से वार्ता के दौरान कही।

625 परिण्डे वितरण किए

संस्था के सदस्यों ने सिवाना विधानसभा क्षेत्र के आसपास गावों में सार्वजनिक स्थानों व घरों में जाकर 625 परिण्डो का वितरण किया। साथ ही लोगों को पक्षियों के दाने की व्यवस्था करने की बात कही।

दो साल से सेवा जारी: गौतम सिंह गुड़ानाल ने बताया दो साल से संस्था कस्बे में जरूरतमंद, असहाय व निर्धन लोगों की सेवा का कार्य कर रही है।

अब तक किए गए कार्य : मानव सेवा संस्था ने इस वर्ष समाज सेवा के क्षेत्र में कई ऐसे छोटे-बड़े कार्य किये हैं, जिनमें बाल गोपाल भोजन अभियान, चरण पादुका वितरण अभियान,शिक्षण सामग्री वितरण योजना,कंबल,वस्त्र व स्वेटर वितरण अभियान,पेड़ लगाओ - पर्यावरण बचाओ अभियान, गरीब,असहाय ,निर्धन का सहयोग, उत्कृष्ठ कार्य पर सम्मान समारोह,पंछी बचाओ - परिण्डे लगाओ अभियान,पशुओं के लिए खेली निर्माण,सार्वजनिक अस्थाई प्याऊइत्यादि राशन,बर्तन, नगद आदि देकर सहायता करने का प्रयास किया है।

यह है टीम में शामिल : कैलाश सिंह राजपुरोहित,शांतिदेवी विश्नोई अर्जियाना, मुकेश लंगेरा,किशोर कुमार सांखला, गणपत चौधरी, नारू बोराणा, गौतम सिंह गुड़ानाल, नकुल मेघवाल, राजकुमार लुदराडा, चुन्नीलाल राजपुरोहित, राजेंद्र सरगरा।

समलैंगिकता को लेकर भड़का विश्व हिंदू परिषद

समलैंगिक विवाह को कानूनी जामा पहनाना निंदनीय, हर जिले में देंगे ज्ञापन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। सुप्रीम कोर्ट द्वारा थोपे जा रहे समलेंगिग कानून के विरोध में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल व दुर्गा वाहिनी की अगुवाई में उपखंड कार्यालय में मुख्य न्यायधीश के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि विवाह एक पुरातन संस्था है। सभी धर्मो के समाजो द्वारा अपने अनुभवों के आधार पर इस विवाह संस्था की स्थापना की है। विहिप ने मांग की की विवाह में संशोधन का कार्य लोकसभा व विधानसभा पर छोड़ देना चाहिए।यदि सुप्रीम कोर्ट इस पर हस्ताक्षेप करता है तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। सुप्रीम कोर्ट को भारतीय धर्म गुरुओं, विद्धानो, व अन्य वर्गो को सुनना चाइए। कोर्ट को कमेंटियां बनाकर देशभर से समाज की राय जाननी चाहिए।

विश्व हिंदू परिषद का मानना है कि यह एक अंतरराष्ट्रीय षड्यंत्र है जो मानवीय मूल्यों संस्कृति, सभ्यता पर आधारित समाज की परिकल्पना को तहस-नहस करना चाहता है। यदि समलैंगिक विवाह को कानूनी जामा पहनाया जाता है तो इससे निंदनीय कुछ भी नहीं हो सकता। परिवार नाते-रिश्ते समाज की अवधारणा ही समाप्त हो जाएगी। विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि समलैंगिक व्यवहार अप्राकृतिक है। प्रकृति यानी परमात्मा ने इसकी रचना नहीं की है। जीव, जंतु, पशु जगत में भी यह व्यवहार नहीं होता है। इस दौरान मलुकधाम के रामदास महाराज, विश्नोई सप्रदाय के नृसिंहदास महाराज, जिला अध्यक्ष घनश्याम ओझा, हरकचंद हुड्डा, प्रखंड अध्यक्ष भगवान परिहार, मोहनलाल सोनी, बुधराम मेहता, जगदीश प्रसाद, प्रकाश दवे, दिनेश जांगिड़, सत्यनारायण, धर्मेंद्र सोनी, अशोक दवे, विकास छिपा, मनोज कुमार खंडेलवाल, जगदीश सेवग, बजरंग दल अध्यक्ष दिनेश माली,प्रकाश जांगिड़ सहित विभिन्न समाज के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

> समलैंगिकता को लेकर विश्व हिंदू परिषद का इन दिनों पारा गरम है। खासकर के सुप्रीम कोर्ट द्वारा समलैंगिकता को लेकर जो याचिका सुनवाई के लिए स्वीकार की गई है। उससे बेहद ही खफ़ा है। विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि इससे भारत में समस्त विश्व का मानव जगत पीड़ित है। लिहाजा यह याचिका किसी भी प्रकार से सुनवाई के योग्य नहीं है।
> **भगवान राम परिहार,** अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद, प्रखंड पीपाड़ शहर

ANCHOR क्षेत्र की जनता का मिला समर्थन

बस स्टैंड की मांग, पंचायत समिति सदस्य ने दिया धरना

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। ज़िले में स्वरूपगंज कस्बे में बस स्टैंड नहीं होने से ग्रामीणों में दिनों दिन आक्रोश उपज रहा है। ओर जनता भीषण समस्याओं से जूझ रहीं हैं। प्रदेश में कई सरकारे आई और कई सरकारे गयी। परन्तु आज दिन तक किसी ने आमजन की इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया। जिससे कस्बे वासियो के साथ साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को भारी दिक्कतों से जूझना पड़ रहा है। क्योंकि बस स्टैंड की व्यवस्था नहीं होने से हाइवें से सीधी बायपास बस निकल जाती है। कई बार स्थानीय नेताओं को क्षेत्र कि जनता ने इस भीषण समस्या से अवगत करवाया। परन्तु जिम्मेदार नुमाइंदों ने इस ओर आज दिन तक कोई ध्यान नहीं दिया। थक हार कर आज पिण्डवाड़ा पंचायत समिति के सदस्य पवन अग्रवाल ने प्रशासन को चेताया और एकदिवसीय सांकेतिक धरना भावरी ग्राम पंचायत के बाहर दिया। तथा सरकार व जिला प्रशासन से मांग कि है जनहित में बस स्टैंड की मांग को पूर्ण किया जाये। वहीं एकदिवसीय धरने में भाजपा व कांग्रेस के नेताओ के साथ साथ स्थानीय जनता का समर्थन भी उन्हें मिला। साथ ही धरना स्थल पर दोनों पार्टियों के कई नेता भी देखे गये।

हजारों की आबादी फिर भी स्थाई बस स्टैंड नहीं

जिले व स्थानीय नेताओ और प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा आमजनता को भुगतना पड़ रहा है। आज दिन तक सरकारी कारिंदे व नेता जनता की भावना के अनुरूप बस स्टैंड स्वीकृत तक नही करवा पाये। जो कई सवाल खड़े कर रहा है। जबकि स्वरूपगंज कस्बे में हजारों की संख्या में लोग निवासरत है। साथ ही आसपास के कई गांव के लोग यात्रा करने के लिए स्वरूपगंज कस्बे में आते हैं और वहां से अपने गंतव्य स्थान की यात्रा करते हैं। इस दौरान स्थानीय बस स्टैंड के अभाव में उन्हें कई दिक्कतों से तो जूझना ही पड़ता है। साथ ही हाइवें पर खड़े रहने से हर दम हादसा होने की भी प्रबल आशंका रहती है। परन्तु नेताओ को यह समस्या नहीं दिखी ओर वर्षों से आँखें मूंदकर यह सब देख रहें। जो उनकी अकर्मणयीता का परिचायक है।

सफेदपोश नेताओ से जवाब मांगते यह सवाल?

सिरोही जिले की सबसे बड़ी ग्रामपंचायत भावरी के अधीनस्थ स्वरूपगंज कस्बे में बस स्टैंड न होना स्थानीय नेताओं की कार्यशैली पर गम्भीर सवाल खड़े कर रहा है..? स्थानीय विधानसभा पिण्डवाड़ा आबू से विधायक समाराम गरासिया ने क्षेत्र की जनता के इस मांग को बार बार दरकिनार क्यो किया..? जबकि क्षेत्र की जनता ने उन्हें इस बार के साथ साथ पिछली बार भी आर्शीवाद देकर विधानसभा भेजा है। भाजपा की सरकार में भी बस स्टैंड की मांग को स्वीकृत करवाने में विधायक समाराम ग्रसि नाकाम साबित क्यो हुये...? वही कांग्रेस के कई दिग्गज नेता स्वरूपगंज क्षेत्र से नाता रखते हैं फिर भी प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होते हुये भी अभीतक बस स्टैंड की सौगात क्यो नहीं दिला पाये जनता जवाब मांग रहीं हैं..? मौजूदा सरकार में कस्बे के एक नेताजी पीसीसी के सदस्य हैं। क्या क्षेत्र की जनता का दोनों राजनीतिक पार्टियों द्वारा सिर्फ आज दिन तक वोट बैंक के लिये ही इस्तेमा करना उचित है..? इस साल के अंत में राजस्थान में विधानसभा के चुनाव है। ऐसे में जनता को ऐसे नेताओं को सबक सिखाकर आईना दिखाना होगा। जो जनता का काम नहीं करवा पाये। क्योंकि हर बार क्षेत्र की भोली भाली जनता को सिर्फ़ बेवकूफ बनाने काम नेताओ ने किया है। अब जनता के आक्रोश का सामना भी नेताओं को करना पड़ सकता है..? जबकि क्षेत्र के दोनो ही राष्ट्रीय पार्टी के कई नेता बड़ी बड़ी पहुँच होने की डींग हाँकने का काम कर रहें हैं ..? और बड़े- बड़े नेताओं के साथ फ़ोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर थोथी वाहवाही लूटने से बाज नहीं आते..! जबकि हकीकत यह है कि राजस्थान में सरकार दोनो पार्टियों की रहीं हैं। और जिस तरह क्षेत्र के कुछ नेता बड़े बड़े नेताओं के साथ फोटो खींचकर शेयर करते हैं उन फ़ोटो की वास्तविकता यह है कि न तो उनकी कोई चलती है न उनकी ऊपर कोई बड़ी अप्रोच है। बस क्षेत्र की जनता को लुभाने का काम सिर्फ़ करते हैं। यदि वास्तविक रूप में एप्रोच होती तो स्वरूपगंज कस्बे में बस स्टैंड की मांग कब की पूर्ण हो जाती। अब जनता को जागृत होना पडेगा जब वोट मांगने आये तब ऐसे सफेदपोश नेताओं को सबक सिखाना होगा और उन्हें उल्टे पांव वापिस लौटने पर विवश करना होगा। क्योंकि जनता जनार्दन में वो शक्ति है जो अच्छे अच्छे नेताओ को छटी का दूध याद आ जाये।

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23

जागरूक खबरें

वादा निभाने राजस्थान आ रहे हैं पीएम नरेन्द्र मोदी

जागरूक जनता @ सिरोही। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिरोही की जनता से किए गए वादे को निभाने फिर से राजस्थान आ रहे हैं। कर्नाटक चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का राजस्थान दौरा होगा। वे 12 मई को सिरोही ज़िले के आबू रोड आएँगे। मोदी यहाँ जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा ने उनके दौरे की तैयारियां शुरू कर दी है। पीएम मोदी पिछले वर्ष 30 सितंबर को आबू रोड आए थे, लेकिन देरी की वजह से उन्होंने जनसभा को सम्बोधित नहीं किया था। पीएम ने वादा किया था कि वे जल्द ही वापस आएंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी भी पीएम के दौरे को लेकर बैठक कर चुके हैं।

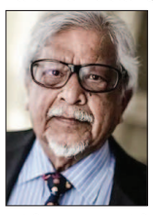

महात्मा गांधी के पोते अरुण मणिलाल गांधी का निधन

जागरूक जनता @ नई दिल्ली। महात्मा गांधी के पोते अरुण मणिलाल गांधी का (89 वर्ष) की आयु में महाराष्ट्र के कोल्हापुर में निधन हो गया। अरुण गांधी के बेटे तुषार गांधी ने मंगलवार को ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी। अरुण गांधी पिछले काफी दिनों से बीमार थे। अरुण मणिलाल गांधी महात्मा गांधी के दूसरे बेटे मणिलाल गांधी के बेटे हैं। उनका जन्म 14 अप्रैल 1934 को दक्षिण अफ्रीका के डरबन में हुआ था। उनके पिता यहां छपने वाले अखबार इंडियन ओपिनियन के संपादक रहे, जबकि मां इसी अखबार में पब्लिशर रहीं।

एपल को 1.70 करोड़ डॉलर का चूना लगाया, भारतवंशी को कैद

जागरूक जनता @ वाशिंगटन। भारतीय मूल के एपल के एक पूर्व कर्मचारी को अमेरिकी अदालत ने तीन वर्ष कैद और 1.9 करोड़ डॉलर के जुर्माने की सजा दी है। कैलिफोर्निया में सान जोकिन काउंटी निवासी धीरेंद्र प्रसाद पर एपल से 1.7 करोड़ डॉलर की ठगी का आरोप लगाया गया था। प्रसाद पर धोखाधड़ी, साजिश रचने, कर चोरी जैसे कई आरोप थे। अमेरिकी न्याय विभाग ने बताया कि प्रसाद एपल के ग्लोबल सर्विस सप्लाई चेन के लिए खरीदारी करता था। पद व प्रभाव का इस्तेमाल कर उसने दो विक्रेताओं से मिलकर रिश्वत, पार्ट्स की चोरी व बढ़ा-चढ़ाकर बिल बनाए और चोरी को अंजाम दिया।

सुल्तान अल-नेयादी स्पेस वॉक करने वाले पहले अरब नागरिक

जागरूक जनता @ दुबई। यूएई के अंतरिक्ष यात्री सुल्तान अल-नेयादी अंतरिक्ष में चहलकदमी करने वाले पहले अरब नागरिक बन गए हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) से बाहर उनकी ऐतिहासिक स्पेस वॉक लगभग सात घंटे तक चली। अल-नेयादी ने नासा के फ्लाइट इंजीनियर स्टीफन बोवेन के साथ अंतरिक्ष में चहलकदमी की।

पापड़ के हनुमान मंदिर श्रीराम महायज्ञ में उमड़ा जनसैलाब

दस लाख से अधिक लगी आहुतियाँ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर सेक्टर-8 स्थित श्रीपापड़ के हनुमान मंदिर परिसर में चल रहे 108 कुण्डीय श्री राम महायज्ञ में दस लाख से ज्यादा आहुतियाँ दी गई। जैसे जैसे यज्ञ के दिन बढ़ते जा रहे हैं श्रद्धालुओं की संख्या भी बढती जा रही है। श्रद्धालुओं ने यज्ञ की परिक्रमा की और यज्ञ भगवान के दर्शन किए। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने एक दिन के लिए भी यज्ञ में भाग लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में मंडलेश्वर, महामंडलेश्वर और संतजन यज्ञस्थल पर पहुंचे। प्रसादी के पश्चात् महाराजश्री रामसेवक दास जी ने सभी संतजनों का माला पहनाकर शाल ओढ़ाया और दक्षिणा देकर सम्मान किया। आज दिन भर बादल छाये रहे। यज्ञ आरती के पश्चात् पंडितों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। उसके उपरांत नित्य की तरह आम लोगों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। यज्ञ के प्रारम्भ में यज्ञाचार्य पं. सतीश शास्त्री ने गणपत्यादि आवाहित देवताओं का नित्यार्चन, योगिनी क्षेत्रपाल और प्रधान सर्वतोभद्र मंडल आदि का वैदिक मंत्रों से आह्वान अर्चन किया गया। ठाकुर श्री रामजानकी का राजोपचार और अर्चन किया गया। यज्ञ में पुरुषोक्त और श्रीरामजी के मूल मंत्र की 11-11 माला की आहुतियां दी गई। इसी प्रकार पुरुषोक्त के 11 माला की आवृत्तियों से आहुति दी गई। इसी क्रम में श्री जानकीजी एवं श्री हनुमानजी महाराज के अष्टोत्तर शत नामावलियों से हवन कार्य हुआ। मध्यानोत्तर श्रीराम सहस्त्र नामावली से आहुतियों के उपरान्त श्री सूक्त से लक्ष्मीजी के लिए आहुतियां दी गई। अंत में आरती, पुष्पांजली अर्पण के बाद प्रसाद वितरण किया। व्यवस्थाओं में अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा उपाध्यक्ष ललित अग्रवाल संयोजक रामप्रसाद लड्ढ़ा उप संयोजक कपिल देव कोषाध्यक्ष सुरेश सुरेश चंद्र गुप्ता महामंत्री गौरीशंकर डोई उप महामंत्री कमल किशोर गुप्ता संगठन मंत्री कजोड़ मल गुर्जर प्रवक्ता मीठालाल सामोता कैलाश मोयल एवं चंद्र मोहन शर्मा यज्ञ के सफल आयोजन के लिए अपने दायित्वों में पूरी तरह लगे हुए हैं।

उत्तर भारत में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

हिमाचल-उत्तराखंड में जारी रहेगी बर्फबारी, 10 डिग्री कम होगा तापमान, दक्षिण में भी बदलेगा मौसम

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। उत्तर भारत में अप्रैल के आखिरी हफ्ते से शुरू हुआ बेमौसम बारिश का सिलसिला अभी भी जारी है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले दो-तीन दिन उत्तर भारत के साथ ही दक्षिण भारत के राज्यों में भी ऐसा ही मौसम जारी रह सकता है।मौसम विभाग के मुताबिक, एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस बन रहा है, जिसके चलते लगभग पूरे उत्तर भारत में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जिन इलाकों में भारी बारिश की संभावना रहती है, वहां मौसम विभाग ऑरेंज अलर्ट जारी करता है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, झारखंड में भारी बारिश और शिमला में बर्फबारी का दौर जारी रहेगा। उत्तराखंड के ज्यादातर इलाकों में बारिश के साथ बर्फबारी हो सकती है। खराब मौसम के चलते सोमवार को चारधाम यात्रा रोक दी गई थी। आंधी, तूफान और बारिश के कारण तापमान सामान्य से कम बना रहेगा। दिल्ली-हृष्टक्र हरियाणा, पंजाब में तापमान सामान्य से नौ से 10 डिग्री नीचे रह सकता है।

शाही परिवार से जुड़े विवादों से दूर रखना चाहेंगे, तैयारी अंतिम दौर में

सम्राट चार्ल्स-तृतीय का राज्याभिषेक 6 को

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

लंदन। ब्रिटेन में सम्राट चार्ल्स-तृतीय के 6 मई को राज्याभिषेक की तैयारी अंतिम दौर में है। चार्ल्स एक बड़े महल में रहते हैं। बेंटले कार से यात्रा करते हैं और देश के सबसे धनी शख्स हैं, लेकिन उनके पारिवारिक जीवन में बहुत कुछ आम लोगों की तरह सामान्य है। वह महल में दूसरी प%ी हैं, एक चिड़चिड़े भाई और गुस्सैल बेटे-बहू के साथ रहते हैं, जो परिवार की दबी-छिपी बातें मित्र पत्रकारों को बता देते हैं। ऐसे में राज्याभिषेक समारोह में परिवार के विवादों को हर तरह से दूर रखना सम्राट की प्राथमिकता होगी।

दूसरी पत्नी बनेंगी महारानी

सम्राट की शादी राजकुमारी डायना से हुई, लेकिन कैमिला के साथ विवाहेतर संबंध को लेकर वे विवादों में रहे। अब वे महारानी (क्वीन) बनेंगी। मेजेस्टी पत्रिका के प्रबंध संपादक जो लिटिल को उम्मीद नहीं है कि सम्राट के बेटे हैरी का परिवार के बाकी लोगों के साथ बहुत अधिक संपर्क हो पाएगा। हैरी लंबे समय तक ब्रिटेन में नहीं रहेंगे, इसलिए रिश्तों की मरम्मत के लिए ज्यादा समय नहीं है।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.com

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जागरूक खबरें

डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म चंबल की चिट्ठी की लॉचिंग कल

जागरूक जनता @ जयपुर। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) पर आधारित डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म चंबल की चिट्ठी की लॉचिंग 3 मई को होगी। कार्यक्र म के मुख्य अतिथि मैगसेसे पुरस्कार विजेता जलपुरुष राजेन्द्र सिंह होंगे। दीनदयाल सारस्वत ने बताया कि फिल्म का प्रदर्शन पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में होगा।

उप प्राचार्यों की काउंसलिंग 23 से

जागरूक जनता @ बीकानेर। शिक्षा विभाग में उप प्राचार्य पदों पर पदोन्नत हुए शिक्षा अधिकारियों की काउंसलिंग 8 मई से शुरू होनी थी। अब इसे 23 मई से शुरू किया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशक की ओर से जारी संशोधित कार्यक्र म के अनुसार 25 मई तक शाला दर्पण पोर्टल पर रिक्त पदों की सूची जारी कर दी जाएगी।

राधा स्वामी सत्संग, ब्यास के लिए 'सत्संग स्पेशल' 11 से

जागरूक जनता @ अजमेर। Railway की ओर से अजमेर-ब्यास-अजमेर सत्संग स्पेशल रेल का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी 09631, अजमेर-ब्यास सत्संग स्पेशल 11 व 25 मई को अजमेर से 17 बजे रवाना होकर अगले दिन 12 बजे ब्यास पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी 09632, ब्यास-अजमेर सत्संग स्पेशल 14 व 28 मई को ब्यास से 15 बजे रवाना होकर अगले दिन 9.45 बजे अजमेर पहुंचेगी। गाड़ी का फुलेरा, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाडी, भिवानी, हिसार, जाखल, धुरी, लुधियाना व जालंधर सिटी स्टेशनों पर ठहराव होगा।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष आबिद कागजी की ओर से पेश की चादर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशध्यक्ष आबिद कागजी का चित्तौड़गढ़ आगमन पर कार्यकर्ताओं के द्वारा स्वागत किया गया तथा कागज़ी की ओर से हजरत चलफिर शाह (र. अ.) की दरगाह में चार रहे सालाना उर्स में चादर भी पेश की गई। जिला संगठन महामंत्री नवाब खान ने बताया कि कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष इम्तियाज हुसैन लोहार के नेतृत्व में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष आबिद कागजी के चित्तौड़गढ़ में शादी समारोह में आवागमन पर अल्पसंख्यक कार्यकर्ताओ द्वारा मेवाड़ी पगड़ी, के फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर आबिद कागजी द्वारा कार्यकर्ताओं से विचार विमर्श किया गया तथा राहत कैंप के माध्यम से कांग्रेस सरकार की योजनाओं का अधिकाधिक प्रचार कर आम लोगों को राहत दिलाने के प्रयास पर जोर दिया। इसके पश्चात प्रदेश अध्यक्ष की ओर से हजरत काजी चलफिर शाह रहमतुल्लाह के 95वें उर्स मुबारक के मौके पर चादर शरीफ, फूल इत्र पेश कर देश में अमन व भाईचारे की दुआ मांगी तथा उर्स की मुबारक बाद पेश की जहाँ दरगाह कमेटी के चेयरमेन सैयद दौलतअली, अमानत अली व कमेटी के मेम्बर की ओर से दस्तारबंदी भी की गई।

जयपुर में हजारों बच्चों के साथ राज्यपाल और मंत्रियों ने किया योग

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से 50 दिन पहले मंगलवार को जयपुर के भवानी निकेतन शिक्षा समिति खेल मैदान में प्रातः 6 से 8 बजे तक योग महोत्सव का आयोजन किया गया। केंद्रीय आयुष मंत्रालय के तहत कार्यरत स्वायत्त संस्था मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान की ओर से राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर, राजस्थान सरकार और योग से जुड़े स्थानीय संस्थानों के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल कलराज मिश्र, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल, कैलाश चौधरी, डॉ. मुंजपारा महेंद्रभाई सहित हजारों स्कूली बच्चे शामिल हुए।

गहलोत 7 को गीजगढ़ में

जागरूक जनता @ दौसा। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का 7 मई को जिले के गीजगढ़ में दौरा प्रस्तावित है। सीएम यहां महंगाई राहत शिविर का जायजा लेंगे। महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश ने सर्किट हाउस में सिकराय विस क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पशुओं एवं पशुपालकों के हितों के लिए समर्पित राज्य सरकार

दुधारू गौवंश के साथ अब दुधारू भैंस का भी होगा बीमा-कटारिया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने कहा कि राज्य सरकार पशुपालकों के हितों के लिए समर्पित होकर कार्य रही है. इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में 24 अप्रैल से 30 जून तक लगाए जा रहे महंगाई राहत कैम्प के तहत प्रमुख 10 योजनाओं में शामिल मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना के तहत अब दुधारू गौवंश के साथ दुधारू भैंस का भी बीमा किया जायेगा। इसी के साथ अब यह बीमा पूर्णतया निःशुल्क किया जायेगा। वही पशुपालकों के कलयाण को सर्वोपरि रखते हुए बीमा प्रीमियम की राशि का भार अब राज्य सरकार द्वारा वहन करने का बीड़ा उठाया गया है। जिससे अब पशुपालक बढ़ती महंगाई से राहत के साथ उन्नत पशुपालन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह बीमा योजना सम्पूर्ण देश में अनूठी योजना है एवं पशु बीमा के क्षेत्र में यह योजना देश में सबसे बड़ी योजना साबित होगी।

मुख्यमंत्री की पशुपालकों के प्रति सोच हुई साकार

कटारिया ने मुख्यमंत्री गहलोत का धन्यवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने पशुपालकों को उनके जन्मदिन की पूर्व संध्या पर सबसे बेहतरीन तोहफा दिया है, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में पशुओं एवं पशुपालकों के कल्याण के लिए चलायी जा रही योजनाएं ऐतिहासिक है, निश्चित तौर पर अब राज्य पशुधन के क्षेत्र में शीघ्र ही सर्वोच्च स्थान पर होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना के तहत समस्त पशुपालकों के लिए दुधारू गौवंश के साथ दुधारू भैंस का निःशुल्क बीमा करना मुख्यमंत्री की पशुपालकों के कल्याण के प्रति सोच को साकार करने वाला ऐतिहासिक कदम है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा महंगाई राहत कैंप के अवलोकन के दौरान दुधारू गौवंश के साथ दुधारू भैंस को मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना में शामिल करने की घोषणा की गयी थी। वही महंगाई राहत कैंप में पशुपालक बड़ी संख्या में महंगाई से राहत के लिए प्रमुख 10 योजनाओं में पंजीयन के लिए पहुंच रहे है, वही अब तक 1494799 परिवारों का मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना के तहत पंजीयन हो चुका है।

अब पशुपालक निश्चिन्त होकर करेंगे पशुपालन

कटारिया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निरंतर राज्य में अन्य वर्गों के साथ पशुओं एवं पशुपालकों के हितों के लिए नित नयी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना के तहत दिए जा रहे प्रति दुधारू पशु 40 हजार रूपए तक का बीमा निःशुल्क होने से पशुपालकों पर किसी भी प्रकार का आर्थिक भार नहीं पड़ेगा। पशुपालकों को पशुपालन में बढ़ती महंगाई से राहत के साथ सहूलियत मिल पायेगी। वही बीमा के तहत दुधारू गौवंश के साथ दुधारू भैंस को शामिल करने से अब पशुपालक निश्चिंत होकर उन्नत पशुधन के साथ दुग्ध उत्पादन में वृद्धि पर ध्यान दे सकेंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य दुग्ध उत्पादन में सम्पूर्ण प्रदेश में सर्वोच्च स्थान पर है। इस योजना के सम्पूर्ण प्रदेश में लागू होने से अब राज्य में पशुपालन के क्षेत्र में विकास के नित नए द्वार खुल सकेंगे।

दो साल से बंद पड़ी मेजर मिनरल माइंस होगी स्वतः निरस्त, राज्य सरकार कर सकेगी नीलामी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया है कि मेजर मिनरल्स माइनिंग के पुर्व नियमों के तहत क्षेत्र आरक्षित कर आवंटित ऐसे खनन पट्टों में जहां अभी तक खनन कार्य आरंभ नहीं हुआ है या गत दो साल से खनन कार्य बंद है उन खनन पट्टों को स्वतः निरस्त करते हुए राज्य सरकार इस तरह की माइंस की तत्काल प्रभाव से नीलामी की कार्यवाही कर सकेगी। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार ने माइंस एवं मिनरल्स (डवलपमेंट एवं रेगुलेशन) एक्ट, 1957 में इस आशय के आदेश जारी किए हैं।

एसीएस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा एमएमडीआर एक्ट 1957 में किए गए आवश्यक प्रावधानों के अनुसार राज्य सरकार की कंपनियों या उपक्रमों के लिए आरक्षित ऐसे माइनिंग क्षेत्र जहां विगत दो साल से लगातार माइनिंग हो रही है उन खनन क्षेत्रों में एक साल की अवधि के लिए खनन जारी रखने की अनुमति होगी। ऐसे उपक्रमों को एक साल की अवधि में खनन लीज जारी करानी होगी।

किसानों की उन्नति के लिए

विभिन्न योजनाओं में 592 करोड़ रुपए स्वीकृत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि और किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत 592 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किसानों की उन्नति सुनिश्चित करने के लिए वित्तीय प्रावधान के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

गहलोत के निर्णय से नैनो यूरिया के ड्रोन से छिड़काव के लिए 4.50 करोड़ रुपए की लागत आएगी, जिसके लिए 10 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में लागत के 75 प्रतिशत अथवा अधिकतम 4500 रुपए प्रति हैक्टेयर की अनुदानित दर रखी गई है। वहीं, 5 लाख भूमिहीन श्रमिकों को हस्तचालित कृषि यंत्र खरीदने के लिए प्रति परिवार 5 हजार रुपए का अनुदान दिया जाएगा। इसमें राज्य सरकार 250 करोड़ रुपए व्यय करेगी। राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में एक लाख किसानों को 250 करोड़ रुपए के कृषि यंत्र, 50 हजार पशुपालक किसानों को अनुदानित दर पर हस्त/पावर चलित चाफ कटर यंत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही, कृषि स्नातक बेरोजगार युवाओं को भी 1000 ड्रोन उपलब्ध कराने के लिए 4-4 लाख रुपए तक का अनुदान दिया जाएगा। कृषक उत्पादन संगठन (एफपीओ) तथा कस्टम हायरिंग केंद्रों को भी ड्रोन उपलब्ध कराए जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा इन सभी योजनाओं में कृषक कल्याण कोष से 588 करोड़ रुपए और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 4.60 करोड़ रुपए (राज्यांश) का प्रावधान किया गया है। स्वीकृति से प्रदेश के लाखों कृषक एवं पशुपालक लाभान्वित होंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023-24 के बजट में इस संबंध में घोषणा की थी।

एक चेहरे पर चुनाव लड़कर सरकार नहीं बनती-खाचरियावास

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि रिपिट तो करेंगे। इसके लिए मैंने प्रभारी रंधावा को सुझाव दिया है। लेकिन किसी एक चेहरे पर सरकार नहीं बनती है। हमारे पास राहुल गांधी का चेहरा है। उसे आगे रखकर चुनाव लड़ना है। लेकिन उनके पीछे जो 50 चेहरे, लाखों कार्यकर्ता के चेहरे होंगे, तब चुनाव जीतेंगे।

उन्होंने कहा कि पिछली बार का चुनाव किसी एक की मेहनत से नहीं जीता। सबसे ज्यादा आंदोलन हमने किए। मैं जयपुर का अध्यक्ष रहा और सबसे ज्यादा आंदोलन जयपुर में किए। हमारा करप्शन के खिलाफ रोडमैप है, उस पर हमने अच्छा काम किया है। आज लोग हमारी तरफ देख रहे हैं। हमें वोट देना चाहता हैं। हमारा काम महंगाई और गरीबी को खत्म करने वाला हैं। कांग्रेस रोटी और रोजगार की बात करती है।

गरीब को हम आगे ला रहे हैं, जबकि भाजपा की सोच रही है धर्म के आधार टकराव खड़ा करके शॉर्टकट के जरिए एक बड़े वोटबैंक को अपनी तरफ कर लिया जाए।

योग को लेकर नाटक कर रहे हैं

खाचरियावास ने कहा कि योग को लेकर इन्होंने नाटक किया है। योग भगवान राम और कृष्ण के समय था। योग तो त्रेता और द्वापर में भी देखने को मिलता है। ये कहते हैं योग हमारा है। योग भाजपा का नहीं, भारत का योग है। हमारे संत और भगवान के द्वारा योग दिया गया है। इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति में जो राजा होता है वह धर्म और जाति के आधार पर भेद नहीं कर सकता हैं। धर्म और जाति के नाम पर टकराव खड़ा करके कोई राजा ये चाहे कि मैं मेरा राज सुरक्षित कर लूं तो वह जनता भला नहीं कर सकता है।

ANCHOR लाभार्थियों से संवाद

जनता को महंगाई के दंश से मुक्ति दिलाने में कारगर साबित हो रहे हैं राहत कैंप-कटारिया

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। महंगाई से त्रस्त आमजन के लिए महंगाई राहत कैंप किसी सौगात से कम नहीं है। आज हर किसी को महंगाई के दंश से मुक्ति चाहिए, यही कारण है कि जयपुर में आयोजित महंगाई राहत कैंप में प्रतिदिन लाखों लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। यह कहना है कृषि मंत्री लालचंद कटारिया का। कटारिया ने मंगलवार को झोटवाड़ा पंचायत समिति के मुंडियारामसर में आयोजित महंगाई राहत कैंप का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड भी वितरित किये। इस दौरान उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम तबके तक लोककल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना राजस्थान सरकार की प्राथमिकताओं में शुमार है।

मंगलवार को 2 लाख से ज्यादा कार्ड वितरित

उन्होंने बताया कि मंगलवार को कुल 2 लाख 10 हजार 849 गारंटी कार्ड जारी किये गए। जिसमें से मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना के तहत 32 हजार 525, मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 42 हजार 190, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 42 हजार 190, मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना में 3 हजार 153, मुख्यमंत्री निःशुल्क घरेलू बिजली योजना में 38 हजार 17, इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 8 हजार 722, मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना में 1 हजार 769, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 18 हजार 779, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 7 हजार 180, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 1 हजार 769 लाभार्थियों ने पंजीकरण करवाया है।

संभागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर ने किये औचक निरीक्षण

जिला प्रशासन महंगाई राहत कैंप के सफल एवं सुचारू आयोजन में जुटा है। संभागीय आयुक्त अंतर सिंह नेहरा एवं कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित खुद महंगाई राहत कैंप की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। नेहरा ने मंगलवार को कौथून, चाकसू, दुर्गापुरा बस स्टैंड एवं टोंक रोड, जगतपुरा में आयोजित महंगाई राहत कैंप का निरीक्षण किया। वहीं,। कलक्टर ने मंगलवार को सांभर के हिरनोदा, मौजमाबाद के धमाणा एवं दूदू के रहलाना में आयोजित महंगाई राहत कैंप एवं प्रशासन गांवों के संग अभियान का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शिविर में अधिकारियों को इंतजाम दुरुस्त रखने एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभांवित करने के निर्देश दिए।

9 दिनों में 14 लाख से ज्यादा मुख्यमंत्री गारंटी कार्ड हुए जारी

कलक्टर ने बताया कि महंगाई राहत कैंप 24 अप्रैल को शुरू हुए थे जिसके बाद अब तक कुल 14 लाख 16 हजार 810 महंगाई राहत कार्ड जारी किये जा चुके हैं। मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना के तहत 2 लाख 23 हजार 430, मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना में 2 लाख 88 हजार 381, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना में 2 लाख 88 हजार 381, मुख्यमंत्री निःशुल्क कृषि बिजली योजना में 20 हजार 331, मुख्यमंत्री निःशुल्क घरेलू बिजली योजना में 2 लाख 45 हजार 22, इंदिरा गांधी गैस सिलेंडर सब्सिडी योजना में 78 हजार 965, मुख्यमंत्री कामधेनु बीमा योजना में 1 लाख 707, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में 1 लाख 16 हजार 29, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 40 हजार 952, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में 14 हजार 612 लाभार्थियों ने पंजीकरण करवाया है।

सैनी आंदोलन टला; NHAI ने शुरू की सफाई, आंदोलनकारी बोले- 10 दिन के लिए स्थगित

खुल गया जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भरतपुर। सैनी आरक्षण आंदोलन को स्थगित करने की घोषणा के एक घंटे बाद ही NHAI (नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया) ने जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे-21 की सफाई शुरू कर दी। ट्रैक्टर और जेसीबी की मदद से हाईवे पर एक किलोमीटर तक पड़ा मलबा हटाने का काम शुरू हुआ।

सैनी आरक्षण आंदोलन के कारण नेशनल हाईवे 12 दिन से बंद था। वाहनों को भुसावर और नगर होते हुए डायवर्ट किया गया था। इससे जयपुर से आगरा या आगरा से जयपुर जाने वालों को 25 किलोमीटर का एक्ट्रा चक्कर लगाना पड़ रहा था। 21 अप्रैल से नदबई तहसील के अरोदा गांव में हाईवे पर आंदोलनकारी डटे थे।

इससे पहले दोपहर 12 बजे के करीब भरतपुर जिले के नदबई तहसील में आंदोलन स्थल अरोदा पहुंचकर फुले आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक मुरारी लाल सैनी ने आंदोलन स्थगित करने की घोषणा कर दी। घोषणा करने के तुरंत बाद मुरारी लाल सैनी आंदोलन स्थल से चले गए। सैनी ने घोषणा करते हुए कहा- 21 अप्रैल से माली, सैनी, शाक्य, मौर्य समाज को 12 परसेंट आरक्षण अलग से देने की मांग करते हुए आंदोलन चल रहा था। सरकार से कई स्तर पर बात हुई। सीएम गहलोत ने ओबीसी आयोग को चिट्ठी लिखी। यह तय किया कि 1 मई को समाज की ओबीसी आयोग के साथ मीटिंग होगी। यह मीटिंग सोमवार 1 मई को दोपहर 1 बजे जयपुर में हुई। मीटिंग में ओबीसी आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि हम 6 महीने में जिलों से रिपोर्ट मंगवाएंगे। हमने कहा कि 10 दिन में ही रिपोर्ट मंगवाइये और 1 महीने में सर्वे करा कर सरकार को रिपोर्ट भेजिए ताकि चुनाव से पहले हम आरक्षण का फैसला करा सकें।

ओबीसी आयोग ने कलेक्टरों को 10 दिन में रिपोर्ट देने को कहा है और एक महीने में सर्वे करा कर सरकार को भेजने की बात कही है। इसलिए आज धरना स्थगित कर रहे हैं। सरकार से ये भी अपील की है कि 21 अप्रैल के बाद और उससे पहले आंदोलनकारियों पर लगे मुकदमे सरकार वापस ले, इस पर भी आश्वासन मिला है।

पुलिस ने आंदोलनकारियों से की समझाइश, खाली किया हाईवे

आंदोलन समाप्ति की घोषणा होने के करीब एक घंटे बाद तक आंदोलनकारी दोपहर 1.15 बजे तक हंगामा करते रहे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें समझाया तो आंदोलनकारियों को लीड कर रहे कुछ लोग सामने आए और कहा कि हम वार्ता से संतुष्ट हैं। गुस्सा इस बात को लेकर था कि हमारे नेताओं ने हमें विश्वास में नहीं लिया। अब जो चीजें सामने आई हैं उससे हम संतुष्ट हैं। 10 दिन के लिए नेशनल हाईवे खाली कर रहे हैं। 10 दिन में जिला कलेक्टरों से रिपोर्ट मांगी गई है। अगर इसे डिले किया गया तो हम व्यापक स्तर पर फिर आंदोलन करेंगे। इसके बाद हाईवे से आंदोलनकारियों ने टेंट खोलना शुरू कर दिया। साथ ही NHAI की टीम ने ट्रैक्टरों व जेसीबी से रास्ते पर पड़ा मलबा हटाना शुरू कर दिया। नेशनल हाईवे 12 दिन बाद आम जनता के लिए खुल गया है।

सोमवार को हुई थी ओबीसी आयोग से वार्ता

सोमवार को जयपुर में 21 सदस्यीय कमेटी की ओबीसी आयोग से चर्चा हुई थी। वार्ता सकारात्मक रही थी। 12 परसेंट आरक्षण की मांग को लेकर माली, सैनी, शाक्य, मौर्य, कुशवाह, काछी समाज के लोग 21 अप्रैल से हाईवे पर कब्जा जमा कर बैठे हैं। चक्का जाम का ऐलान फुले आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक मुरारी लाल सैनी ने किया था।

अस्पताल बिलाल के संचालक व कार्मिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मरीज का आरोप-डॉक्टर की लापरवाही से शरीर में रह गई लोहे की नली

जागरूक जनता @ सांचौर। शहर के निकटवर्ती बिलाल हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेंटर निजी अस्पताल में इलाज कराने आये मरीज के साथ अस्पताल में डॉक्टर एवं कर्मियों द्वारा अभद्रता करने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में मिली सूचना व प्रार्थना पत्र के आधार पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मरीज शिकायतकर्ता भभुताराम पुत्र पदमाराम निवासी जम्भेश्वर मन्दिर कबूली ढाणी धोरीमना जिला बाडमेर निवासी पुलिस प्रार्थना पत्र में बताया कि दिनांक 1.05.2022. सांचौर बिलाल हॉस्पिटल में पथरी का इलाज चिरन्जीवी योजना के तहत करवाया था। ऑपरेशन करने के बाद लगातार पेशाब में खुन आ रहा था तथा पेट में दर्द हो रहा था। तो बिलाल अस्पताल में ईलाज पथरी के ऑपरेशन के दूसरे दिन डॉक्टर एक्सरे एवं सोनोग्राफी की तो मेरे पेट के अन्दर दूरबीन सीन का स्टेन्ट रहने की जानकारी डॉक्टर साहब की हुई। उसी दिन एक बार ने मुझे बताया की अन्दर नली है तथा दूसरे दिन कहा की अन्दर नली डालने से दर्द हो रहा है मुझे एक माह की दवाई देकर छूटी दे दी। दिनांक 20.04.2023 में पेशाब के साथ खून आने व पेट में दर्द होने से दिनांक 26.4.23 को बी लाल अस्पताल आये चैक कराया तो डॉक्टर ने बताया की पेट के अन्दर लोहे की नली है जिसको निकालना पड़ेगा तीन दिन की दवाई देकर दिनांक 29.04.2023 को पुनः बुलाया तथा भर्ती किया उपरांत जांच करवाने के बात दिनांक 30.04.2023 दोपहर 12 बजे डॉक्टर बाबूलाल ने बताया की पेट के अन्दर लोहे की सड़न से गल गई है तथा अन्दर इफेक्शन ज्यादा फैल गया है आप जोधपुर एम्स में ऑपरेशन करवाना होगा। मेरे द्वारा बी. लाल अस्पताल में डॉक्टर बाबूलाल से भर्ती फाईल व रिपोर्ट (जाँचे) मांगी तो देने से इन्कार कर दिया फिर मैंने मेरे साथ आये दिनेश कुमार पुत्र की पूनमाराम विश्नोई, सुरेश कुमार, भजनलाल ने कैश काउंटर से बार-बार फाईल मांगी तथा निवेदन किया कि हमारी जॉच रिपोर्ट के रूपये लगे हैं तथा फाईल हमारा हक है तो डॉक्टर बाबूलाल व तीन और व्यक्तियों के साथ हमारे पास आये तथा मुझे व दिनेश कुमार को कहा की आप एक कमरे में आओ आपको फाईल देते हैं। मुझे दिनेश कुमार को 1.45 बजे एक कमरे में गये पहले डॉक्टर बाबूलाल ने मेरे थप्पड़ मारा फिर तीनों ने मेरे साथ हाथापाई की, मुझ से मारपीट की। मेरे व दिनेश कुमार का मोबाइल जबरन लेकर उसमें से फाइल के फोटो डॉक्टर बाबूलाल द्वारा स्वयं की गलती से पेट के अन्दर लोहे की पाईप रहने की बात स्वीकार करने का फोटो विडीयो मिटवाये करीबन 15 मिनट तक हमें बंधक बना कर रखा मारपीट करने वालों में से एक का नाम कालूराम खिलेरी निवासी गोगादेरी जिला बाडमेर था 15 मिनट मारपीट करने के बाद करीबन 2 बजे डॉक्टर बाबुलाल व तीन साथियों ने इस शर्त पर छोड़ा की आगे किसी को बात नहीं करोगे तथा मुकदमा नहीं करोगे। इधर सांचौर पुलिस थाने में पथरी से पीड़ित मरीज भभूता राम की रिपोर्ट आधार पर नामजद आरोपित बिलाल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ बाबूलाल बिश्नोई एवं कालूराम खिलेरी के खिलाफ धारा 342,341,323,34 आईपीसी के तहत मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

कवि दीवाना डीबीयू एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भोपालगढ़। जोधपुर के भोपालगढ़ निवासी जाने माने हास्य कवि एवं पैरोडीकार कवि दिनेश दीवाना को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में अपनी बेहतरीन उपलब्धियों के लिए अहमदाबाद के वेलकम होटल में भगत यूनिवर्सिटी पंजाब द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में डीबीयू एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। अहमदाबाद स्थित केंद्रीय विद्यालय क्रमांक एक, शाहीबाग में स्नातकोत्तर हिन्दी शिक्षक पद पर कार्यरत कवि दीवाना को शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित करते हुए भगत विश्वविद्यालय, गोबिंदगढ़, पंजाब द्वारा डीबीयू एक्सीलेंस अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। हिंदी काव्य मंच पर कवि दिनेश दीवाना के नाम से प्रसिद्ध दिनेश गहलोत को इससे पहले भी अखिल भारत हिंदू युवा मोर्चा, सूरत द्वारा शिक्षा रत्नप पुरस्कार 2023 से भी सम्मानित किया जा चुका है । हिन्दी काव्य मंच पर कवि दीवाना अपने विशेष अंदाज के साथ हास्य पैरोडी प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते है। दीवाना टीवी व आकाशवाणी में भी अपना काव्य पाठ कर चुके है। इस अवसर पर शिवकरण सैनी,कवि श्रवण दान शून्य, दिनेश सिंदल, आकाश नौरंगी, ऋतुराज पारीक, विकास राज भाटी, सत्यदेव सत्य, मदन बागड़ा, कालूराम मेहरा, पत्रकार संपतराज देवड़ा, निर्मल मेहता "बंटी भैया", हेमसिंह सोलंकी, भारमल गर्ग आदि ने कवि दीवाना की इस उपलब्धि पर सोशल मीडिया और फोन कर बधाई दी ।

कृषि विभाग किसानों को देगा जनाधार से बीज मिनीकिट

जागरूक जनता @ जयपुर। प्रदेश के खेतों में उपज बढ़ाने के लिए कृषि विभाग खरीफ बुआई के लिए 24 लाख लघु व सीमांत किसानों को बाजरा, मक्का, मूंग, मोठ व तिल के बीजों के मिनीकिट देगा। यह बीज मिनीकिट जून के पहले सप्ताह से बांटे जाएंगे। इसके लिए हर ग्राम पंचायत में सरपंच व एग्रीकल्चर सुपरवाइजर की कमेटी किसानों का चयन कर रही है। इन चयनित लघु व सीमांत किसानों को ही बीज मिनीकिट दिए जाएंगे। वर्ष 2023 को इंटरनेशनल मिलेट ईयर के रूप में मनाया जा रहा है। प्रदेश में मिलेट्स की खेती व इसके उपयोग को बढ़ावा देने लिए इस साल 8 लाख लघु व सीमांत किसानों को संकर बाजरा मिनीकिट दिए जाएंगे। एक मिनीकिट पर डेढ़ किलो बाजरा होगा। इस पर 16 करोड़ खर्च होंगे। इसके साथ ही प्रदेश के आदिवासी व अन्य क्षेत्रों में 11 लाख किसानों को संकर मक्क ा वितरित होंगे।

पितृ दोष दूर करिए

पितृ मोक्ष की राह हुई आसान

16 दिन नियमित कराएं श्री गया जी में पितृ श्राद्ध

श्री गया जी में पूरे पितृ पक्ष के दौरान रहने, खाने एवं रुकने की व्यवस्था, पंडितों की दक्षिणा, 16 दिनों तक हवन, पिंडदान एवं ब्राह्मण भोजन की व्यवस्थाओं के चलते लाखों रुपए का खर्चा होता है। जिसे आम आदमी वहन नहीं कर पाता। इसलिए ऐसे लोगों के लिए नवारुन चेरिटेबल फाउण्डेशन एवं आरना एसोसिएट ने कम खर्चे में पितृ श्राद्ध जैसा पुण्य कार्य करवाने का बीड़ा उठाया है। प्रत्येक यजमान के साथ पिंडदान कार्य करवाने के लिए अलग से ब्राह्मण की व्यवस्था सहित इसके लिए श्राद्ध कर्म में होने वाले सम्पूर्ण व्यय का आधा खर्चा संस्था वहन करेगी। जिसमें आने-जाने का किराया भी शामिल है। ये व्यवस्था लाखों में नहीं अपितु हजारों में ही हो जाएगी।

पहले आओ, पहले पाओ संख्या सीमित है

आप सोचेंगे कि अभी तो श्राद्ध पक्ष में बहुत समय बाकी है, लेकिन ऐसा नहीं है। श्री गयाजी में अभी से तैयारियां होने लग गई हैं। इसलिए ऐनमौके पर व्यवस्था करने में कठिनाई होती है। अत: श्राद्ध कराने के इच्छुक निम्न नंबरों पर अभी से सम्पर्क कर सकते हैं :-

मो. नं. 8561088777, 9928022718, 9829118962

-: सौजन्य से :-

नवारुन चेरिटेबल फाउण्डेशन एवं आरना एसोसिएट